संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-151 ■ रायपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्थी
नक्षत्र : रोहिणी
प्रथम करण : बावा
द्वितीय करण : बालवा
पक्ष : कृष्ण
वार : गुरुवार
योग : परिघा
सूर्योदय : 06:34
सूर्यास्त : 17:34
चंद्रमा : वृषभ राशि में
राहुकाल : 13:27 - 14:49
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत :11:42 - 12:26

कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में भाजपा और जेडीएस के एनडीए गठबंधन ने सभी चार सीटें जीतीं

बेंगलुरू। 27 अक्टूबर को घोषित कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के नतीजों में, भाजपा-जनता दल (सेक्युलर) के NDA गठबंधन ने सभी चार सीटों पर जीत हासिल की। जीतने वाले उम्मीदवारों में वेस्ट ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से एस.वी. संकानूर, नॉर्थ-ईस्ट टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र से शशील जी. नमोशी, साउथ-ईस्ट ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से के.एम. सुरेश (सोमेश्वर) और बेंगलुरु टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र से ए.पी. रंगनाथ शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने इस परिणाम को 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले शिक्षकों और स्नातकों की ओर से एक मजबूत संदेश बताया। उन्होंने चारों उम्मीदवारों को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि NDA ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए उस पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री केवल आश्वासन देते हैं, लेकिन उन्हें लागू नहीं करते। उन्होंने कहा कि विधान परिषद के चारों चुनावों में NDA के उम्मीदवार बड़े अंतर से जीते हैं। इस नतीजे के लिए मैं प्रधानमंत्री को बधाई देता हूँ और शुभकामनाएँ देता हूँ। देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री की कड़ी मेहनत के कारण ही कर्नाटक के पढ़े-लिखे स्नातकों और शिक्षकों ने उनके द्वारा किए गए कार्यों के समर्थन में वोट दिया है।

फ्लाईओवर से कूदी 21 साल की युवती

दुर्ग. भिलाई में 21 साल की युवती ने बुधवार को पॉवर हाउस फ्लाई ओवर से छलांग दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वह अपने घर से वॉक करने के लिए निकली थी. इस दौरान अचानक उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया. मृतिका की पहचान खुर्शीपार निवासी पूनम अहिरवार के रूप में हुई. घटना छावनी थाना क्षेत्र की है. जानकारी के मुताबिक, पूनम अहिरवार लंबे वक्त से मिर्गी बिमारी थी. युवती मिर्गी के दौरों से परेशान रहती थी. परिवार एम्स अस्पताल में युवती का इलाज करा रहा था. घटना की सुबह वह अपने पिता से बाहर वॉक करने की बात कहकर घर से निकली थी. इसी बीच पॉवर हाउस फ्लाईओवर पर अचानक उसने छलांग लगा दी. घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची. वहीं फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया.

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले को दी 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

सरगुजा अंचल सहित प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं को साकार करना हमारा संकल्प : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर जिले को 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से प्रेमनगर में आयोजित कार्यक्रम में 24 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 63 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 208 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत के 54 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रेमनगर नगर पंचायत में 2 करोड़ 70 लाख रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाओं को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम गाँव तक पहुँचे और प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रेमनगर नगर पंचायत में मंगल भवन के पास डोम निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये, इंडोर स्टेडियम के लिए 50 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 12 से विश्रामगृह तक लगभग दो किलोमीटर बीटी सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी गई माँगों के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सूरजपुर जिले के लिए खुशी और गौरव का अवसर है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन जिले की प्रगति को नई गति देगा। इन कार्यों से नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने प्रतिकूल मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुँच पाने पर क्षेत्रवासियों से खेद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रेमनगर के लोगों से प्रत्यक्ष मुलाकात करने के लिए उत्सुक थे, लेकिन मौसम की बाधा के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। उन्होंने कार्यक्रम की बेहतर तैयारियों के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

जल संचय जनभागीदारी अभियान में सूरजपुर की उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक

मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संचय जनभागीदारी अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने पर सूरजपुर जिले के नागरिकों, कलेक्टर और जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का



विषय है कि इस अभियान में सूरजपुर जिला प्रदेश में प्रथम और देश में चौथे स्थान पर है। यह उपलब्धि जनभागीदारी, जागरूकता और प्रशासन के समर्पित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वर्षा चक्र, गिरते भूजल स्तर और पेयजल की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। वर्षा जल का संचयन और पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सूरजपुर जिले ने इस दिशा में जो प्रयास किए हैं, वे अन्य जिलों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण और जल संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दे रही है। सूरजपुर जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित अधोसंरचना विकास के 2,212 कार्यों पर लगभग 130 करोड़ 56 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, भूजल स्तर सुधारने में सहायता मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी हमारी सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

किसानों की समृद्धि और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही है। किसानों को अपनी उपज बेचने में अधिक सुविधा मिले, इसके लिए प्रदेश में 360 नए धान खरीदी केंद्रों को स्वीकृति दी गई है। इससे किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने और खरीदी केंद्रों में अनावश्यक प्रतीक्षा करने से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को धान की अंतर राशि भी एकमुश्त प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती की समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। हमारी सरकार का प्रयास है कि किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी पहुँचे और वे बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त वर्षों पुरानी लगभग 1,500 सिंचाई योजनाओं की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए 2,800 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से नहरों, बांधों के गेट तथा अन्य सिंचाई संरचनाओं का सुधार होगा और किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

माताओं-बहनों के चेहरे की खुशी हमारी योजनाओं की सार्थकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारी सरकार का महत्वपूर्ण संकल्प है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह आर्थिक सहायता पहुँचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास के दौरान जब वे योजना से लाभान्वित माताओं-बहनों से मिलते हैं और उनके चेहरों पर खुशी तथा आत्मविश्वास देखते हैं, तो उन्हें अत्यंत संतोष होता है। महिलाओं के जीवन में आ रहा यह सकारात्मक बदलाव ही हमारी योजनाओं की वास्तविक सार्थकता है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार करते हुए राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार, बैगा और अबूझमाड़िया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों को पक्के आवास सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वनांचल के परिवारों की आय बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की गई है। इससे प्रदेश के लाखों वनवासी परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है।

पुरानी नीति के तहत ही होगी धान खरीदी : कृषि मंत्री रामविचार नेताम



रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान की खरीदी होगी, लेकिन खरीदी फिलहाल पुरानी नीति के तहत होगी. नीति में किसी भी तरह का नीतिगत बदलाव नहीं हुआ है. जैसे चर्चा थी कि किसानों को 21 क्विंटल कम उत्पादन होने पर भी अंतर की राशि (बोनस) प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक देने की हो रही है.

आज एकात्म परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल खरीदी जैसी चल रही है, उसी नीति के तहत होगी. कम उत्पादन होने या प्रति एकड़ 21 क्विंटल कम बेचने पर किसानों को 21 क्विंटल का बोनस देने का कोई निर्णय सरकार ने नहीं लिया है. इस पर सरकार विचार कर रही है, और यह अभी प्रकियाधीन है.

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने बताया कि कैबिनेट बैठक में धान खरीदी के लिए सभी की प्रतीक्षा थी. कल ही सरकार के कैबिनेट बैठक में धान ख़रीदी की तारीख़ का ऐलान किया गया था. हम अपने कमिटमेंट के आधार पर 3100 रुपये में प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदने जा रहे हैं. इसके अलावा एपीएल और बीपीएल को राशन में सुपर फ्रेम यानी बिना टुकड़े वाला चावल देंगे. जनवरी से गरीबों को यह चावल मिलना शुरू हो जाएगा.

3100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी

किसानों को धान विक्रय के लिए बेहतर और सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं. इसके साथ ही प्रदेश में कुल 3100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी.

सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. धान खरीदी के लिए आवश्यकता के अनुसार नए एवं पुराने जूट बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं.

वास्तविक किसानों से ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक आधारित व्यवस्था लागू रहेगी. इससे खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी.

भारत सरकार के खाद्य विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ से केंद्रीय पूल में 73 लाख मीट्रिक टन चावल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर' से होगी प्रभावी निगरानी

प्रदेश में धान के अवैध परिवहन, पुनर्चक्रण और खरीदी में अनियमितताओं को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जा रहा है. इसके लिए 'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर' का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है. इसके माध्यम से धान खरीदी से संबंधित गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी.

साइक्लोन अर्नब से आंध्र में तबाही, 5 की मौत-30 घर डैमेज, 714 गांवों में नुकसान

कोनासीमा ■ दैनन्दिनी

आंध्र प्रदेश के कोनासीमा क्षेत्र में चक्रवात अर्नब का व्यापक प्रभाव देखने को मिला है. तेज हवाओं और भारी बारिश से कई जगह नुकसान हुआ है. मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की है कि चक्रवात अर्नब में पांच लोगों की जान चली गई है. उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेज करने और नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं. प्रशासन राहत सामग्री पहुंचाने और बहाली के काम में जुटा हुआ है। लोग सतर्क रहें और आधिकारिक सलाह का पालन करें.



नायडू ने कहा हम उन लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं जिन्होंने अपने घर और संपत्ति खो दी है, ताकि वे फिर से सामान्य जीवन शुरू कर सकें. मैं उन अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों को बधाई देता हूं जो पिछले तीन दिनों से लगातार मेहनत कर रहे हैं. हम हर बार हुद्हुद, तितली और अब अर्नब जैसे चक्रवातों पर काम करते हुए सबक सीख रहे हैं.

पहले इतनी उन्नत तकनीक उपलब्ध नहीं थी, फिर भी हमने युद्ध स्तर पर सामान्य स्थिति बहाल करने के कदम उठाए हैं. विशाखापट्टनम में एक व्यक्ति की मौत हो गई जब बिजली का खंभा और पेड़ उस पर गिर गया. अनाकापल्ली और भीमावरम में दो अन्य लोगों की जान चली गई. मैं उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. तूफान के गंभीर प्रभाव के कारण हम उनकी जान नहीं बचा सके. हमने रियल-टाइम गवर्नेंस सेंटर से लगातार तूफान की प्रगति पर नजर रखी.

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी से बात की और उन्हें आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब के प्रभाव के बारे में जानकारी दी. उन्हें चक्रवात से हुए व्यापक नुकसान, खासकर कृषि और बागवानी फसलों, बिजली के बुनियादी ढांचे, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को हुए नुकसान के बारे में बताया.उन्हें चक्रवात प्रभावित जिलों में जारी भारी बारिश, मौजूदा मैदानी स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक राहत एवं बहाली कार्यों की भी जानकारी दी.

नुकसान को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री से अनुरोध किया कि वे जल्द से जल्द केंद्रीय टीमें भेजें ताकि नुकसान का आकलन किया जा सके और राहत, पुनर्वास तथा बहाली कार्यों के लिए भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्रदान की जाए.

तूफान 'अर्नब' ने बिगाड़ा घूमने का प्लान !

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी बंद

जगदलपुर (एजेंसी)। जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित कुटुमसर गुफा को हाल ही में पर्यटकों के लिए खोला गया था। वहीं क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और चक्रवाती तूफान अर्नब के मद्देनजर जंगल सफारी को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मौसम सामान्य होते ही जंगल सफारी दोबारा शुरू कर दी जाएगी।

जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित कुटुमसर गुफा को हाल ही



में पर्यटकों के लिए खोला गया था। वहीं क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के मद्देनजर जंगल सफारी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त फैसला लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मौसम सामान्य होते ही पुनः जंगल सफारी शुरू कर दी जाएगी।

बता दें कि बारिश के मौसम में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित कुटुमसर गुफा एवं जंगल सफारी को सुरक्षा के मद्देनजर बंद कर दिया जाता है। हाल ही में 20 अक्टूबर को कुटुमसर गुफा एवं जंगल सफारी को खोला गया था। हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

फिलहाल, स्थिति सामान्य होने तक कुछ दिनों के लिए पर्यटन से जुड़ी सेवाओं को स्थगित किया गया है।

तूफान 'अर्नब' का असर: छत्तीसगढ़ के कई जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रहा है। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में सुबह से बूंदाबांदी हो रही है, वहीं कुछ इलाकों में बीती रात से बारिश के साथ ठंडी हवाएं भी चल रही हैं। मौसम विभाग ने कोंडागांव, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में रेड अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश की आशंका के बीच प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में स्कूलों में अवकाश घोषित करने का सिलसिला भी जारी है। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत संबंधित जिलों के कलेक्टरों के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारियों ने स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। इसके तहत राजधानी रायपुर, बिलासपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, बेमेतरा, रायगढ़, राजनांदगांव, कबीरधाम, कांकेर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बालोद, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और सूरजपुर जिले में 29 अक्टूबर को स्कूल बंद रहेंगे। अवकाश संबंधी ये आदेश संबंधित जिलों के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों पर लागू होंगे।

'राइज एंड फॉल 2' में तहसीन पूनावाला की एंट्री से मचा घमासान चढ़ा भाई शहजाद का पारा, सामने आया नया प्रोमो



मुंबई (एजेंसी)। 'राइज एंड फॉल 2' में तहसीन पूनावाला वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनकर एंट्री करेंगे। वीरेंद्र सहवाग ने उनका परिचय कराया, लेकिन प्रोमो में भाई शहजाद पूनावाला की नाराजगी के संकेतों ने चर्चा बढ़ा दी।

ओटीटी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में जल्द ही एक नए वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली है। राजनीतिक टिप्पणीकार और 'बिग बॉस 13' के पूर्व वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट तहसीन पूनावाला इस शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं। शो के होस्ट और पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने 28 अक्टूबर के एपिसोड में तहसीन का परिचय कराया। हालांकि, उनकी एंट्री से ज्यादा चर्चा उस प्रोमो की हो रही है, जिसमें उनके भाई शहजाद पूनावाला की नाराजगी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में तहसीन की एंट्री के साथ शो में नए समीकरण बनने की उम्मीद है।

'राइज एंड फॉल 2' में वाइल्ड कार्ड बनकर आएंगे तहसीन पूनावाला

तहसीन पूनावाला अपनी बेबाक राजनीतिक टिप्पणियों और खुलकर अपनी राय रखने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले वह सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आए थे। अब वह 'राइज एंड फॉल 2' में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। वीरेंद्र सहवाग ने 28 अक्टूबर के एपिसोड में उन्हें नए वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में पेश किया। तहसीन की एंट्री ऐसे समय पर हो रही है, जब शो में पहले से ही कई चर्चित चेहरे अपनी जगह बनाए रखने और मुकाबले में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखने वाले तहसीन का अंदाज शो में किस तरह का बदलाव लाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा। उनकी मौजूदगी से कंटेस्टेंट्स के बीच नए समीकरण बनने की संभावना भी है।

भाई शहजाद पूनावाला की नाराजगी ने खींचा ध्यान

तहसीन की एंट्री को लेकर चर्चा उस वक्त और बढ़ गई, जब सामने आए आगामी प्रोमो में उनके भाई शहजाद पूनावाला की नाराजगी के संकेत मिले। प्रोमो से ऐसा लगता है कि तहसीन का शो में शामिल होना शहजाद को पसंद नहीं आया है। हालांकि उनकी प्रतिक्रिया के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं है। तहसीन और शहजाद के बीच इस मुद्दे को लेकर क्या बातचीत हुई है और शहजाद की नाराजगी कितनी गंभीर है, इसे लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में दर्शकों की नजरें आने वाले एपिसोड पर टिकी हैं। अगर शो में इस मुद्दे पर खुलकर बात होती है तो यह आगामी एपिसोड का अहम हिस्सा बन सकता है।

कब और कहां देख सकते हैं 'राइज एंड फॉल 2'?

'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन का प्रीमियर 26 सितंबर को हुआ था। शो के नए एपिसोड रोजाना दोपहर 12 बजे स्ट्रीम किए जाते हैं। दर्शक इसे प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं। इस सीजन में गौतम गुलाटी, प्रियंका चाहर चौधरी, स्वरा भास्कर, करण पटेल, तेज प्रताप यादव, सारा गुरपाल, निहारिका तिवारी, सिवेत तोमर, कैरा अनु, राज ग्रोवर, इरीना रुडाकोवा, मनीष कश्यप, काजल राघवानी और अनीश भगत जैसे कंटेस्टेंट शामिल हैं। अब तहसीन पूनावाला की एंट्री से शो में कितना बदलाव आएगा और उनके आने से मुकाबला कितना दिलचस्प होगा, यह आने वाले एपिसोड में पता चलेगा।

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचा अंबानी परिवार, ईशा अंबानी और श्लोका मेहता की सादगी पर टिकी निगाहें



मुंबई (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनका परिवार एक बार फिर चर्चा में है। जियो प्लेटफॉर्म्स की लिस्टिंग सेरेमनी के बाद मुकेश अंबानी अपनी पत्नी नीता अंबानी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। यहां पूरे परिवार ने गणपति बप्पा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। कंपनी के लिए इस अहम उपलब्धि के बाद मंदिर पहुंचने के परिवार के इस कदम ने सभी का ध्यान खींचा। सिद्धिविनायक मंदिर में मुकेश अंबानी के साथ उनकी बेटी ईशा अंबानी भी नजर आईं। वहीं, नीता अंबानी अपने छोटे बेटे अनंत अंबानी के साथ मंदिर पहुंचीं। आकाश अंबानी भी अपनी पत्नी श्लोका मेहता और बच्चों के साथ बप्पा के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान अंबानी परिवार पारंपरिक अंदाज में नजर आया। जियो प्लेटफॉर्म्स की लिस्टिंग के बाद परिवार का मंदिर पहुंचना कंपनी के लिए इस महत्वपूर्ण पड़ाव के बीच आस्था और कृतज्ञता का संदेश देता नजर आया। मंदिर दर्शन के दौरान नीता अंबानी अपने सादगी भरे और खूबसूरत अंदाज को लेकर चर्चा में रहीं।

उन्होंने आइवरी रंग की साड़ी पहनी थी, जिसके बॉर्डर पर नीले रंग का इस्तेमाल किया गया था। उनके इस लुक की खास बात यह रही कि साड़ी के नीले बॉर्डर को जियो के चर्चित ब्रांड कलर से जोड़कर देखा जा सकता है। हल्के रंग और नीले बॉर्डर का मेल उनके पारंपरिक लुक को आकर्षक बना रहा था। दूसरी ओर ईशा अंबानी लाल रंग के अनारकली सूट में नजर आईं। उनका एथनिक लुक शुभ अवसर के अनुरूप बेहद खूबसूरत लग रहा था। इस दौरान श्लोका अंबानी भी बेटी के साथ नजर आईं, उन्होंने व्हाइट सूट में चार चांद लगाए। मंदिर दर्शन से पहले जियो प्लेटफॉर्म्स की लिस्टिंग सेरेमनी में अनंत अंबानी ने इस मौके को कृतज्ञता से जुड़ा खास पल बताया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत ने शेयर बाजार में बजने वाली घंटी की तुलना मंदिर की घंटी से की।

बजरंगबली बनकर छाए सनी देओल, पहली झलक ने बढ़ाया रोमांच, 'रामायण पार्ट-2' की रिलीज डेट से भी उठा पर्दा

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायणः राइज ऑफ ए लीजेंड' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। शुरुआती स्क्रीनिंग के बाद सोशल मीडिया पर सामने आई प्रतिक्रियाओं के मुताबिक फिल्म के आखिर में यानी एंड क्रेडिट सीन में सनी देओल भगवान हनुमान के रूप में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस दृश्य में उनके चेहरे को छिपाकर रखा गया है, जिससे उनके लुक को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। फिल्म की लॉस एंजिल्स में वर्ल्ड प्रीमियर स्क्रीनिंग के बाद कई शुरुआती रिव्यू सामने आए हैं, जिनमें कहानी, कलाकारों के अभिनय और भव्य विजुअल्स को लेकर चर्चा हो रही है। अब सनी देओल की कथित झलक ने भी फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है।

फिल्म की शुरुआती प्रतिक्रियाओं के आधार पर दावा किया जा रहा है कि सनी देओल का किरदार कहानी के अंतिम हिस्से में दिखाई देता है। हालांकि, निर्माताओं ने कथित तौर पर उनके चेहरे को पूरी तरह सामने नहीं आने दिया है। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या मेकर्स हनुमान के पूरे लुक को फिल्म की रिलीज तक गुप्त रखना चाहते हैं। भगवान हनुमान के किरदार के लिए सनी देओल की कास्टिंग की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता रही है। अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता से इस पौराणिक किरदार में भी खास छाप छोड़ने की उम्मीद है। फिलहाल, उनके एंड क्रेडिट सीन में नजर आने की जानकारी शुरुआती प्रतिक्रियाओं पर आधारित है। निर्माताओं की ओर से इस दृश्य या उनके लुक को लेकर आधिकारिक पुष्टि सामने आने तक इसे रिपोर्टेड अपडेट के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

अगर शुरुआती रिपोर्ट सही साबित होती है तो फिल्म के पहले भाग के आखिर में सनी देओल की झलक दूसरे भाग के लिए अहम भूमिका तैयार कर सकती है। इससे दर्शकों को आगे की कहानी को लेकर भी उत्सुकता बनी रहेगी।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दिवाली एपिसोड होगा खास, शाहिद कपूर-मीरा राजपूत और ईशान खट्टर संग जमेगी महफिल

मुंबई (एजेंसी)। कपिल शर्मा के कॉमेडी चैट शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के आने वाले एपिसोड में शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर नजर आने वाले हैं। दिवाली के इस खास अपकमिंग एपिसोड में फैमिली ड्रामा, रोमांस और मस्ती का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। बुधवार को नेटफ्लिक्स इंडिया ने इस एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है, जिसमें दर्शकों को इस मजेदार बातचीत की एक झलक देखने को मिलेगी। खास बात यह है कि मीरा पहली बार किसी टीवी शो में नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर कपिल शर्मा के शो का यह नया प्रोमो यूजर्स को बहुत पसंद आ रहा है।

शाहिद कपूर और ईशान खट्टर ने एक शानदार एंट्री की और हिट गाना 'झिंगाट' पर एक साथ धांसू डांस किया। सोफे पर शाहिद के बगल में बैठते हुए मीरा ने बताया कि यह उनका पहला टीवी अपीयरेंस है। शाहिद ने बताया कि उनकी फिल्म 'उड़ता पंजाब' को देखकर मीरा का रिएक्शन बहुत मजेदार था। इस फिल्म में शाहिद ने एक ऐसे रॉकस्टार का रोल निभाया था, जो ड्रग्स की लत के कारण बहुत बुरी स्थिति में फंस जाता है। फिल्म शुरू होने से पहले मीरा एक्टर



शाहिद के बगल में बैठी थीं, लेकिन फिल्म खत्म होने तक वह उनसे काफी दूर खिसक गई थीं। इस पर कपिल ने मजाक करते हुए कहा कि अगर उन्होंने 'कबीर सिंह' दिखाई होती तो मीरा शायद वहां से भाग ही जातीं।

इसके बाद मीरा ने बताया कि शाहिद बच्चों (मीशा और जैन) को बहुत लाड़-प्यार करते हैं और उन्हें काफी बिगाड़ देते हैं, लेकिन ऐसा वे किसी बुरे इरादे से नहीं करते। जब कपिल ने मीरा से पूछा कि शाहिद की कौन सी आदत उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करती है तो मीरा ने एकदम गंभीर चेहरा बनाकर पूछा- 'सिर्फ एक?' यह सुनकर शाहिद हैरान रह गए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा, जिससे वहां मौजूद दर्शक हंस पड़े। यह एपिसोड 31 अक्टूबर को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

सेहत

मच्छर के काटने से खुजली क्यों होती है? जानें इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन

गर्मियों और बरसात के दिनों में मच्छरों का आतंक बढ़ जाता है। शाम होते ही घरों में ये अपना डेरा जमा लेते हैं और काटते हैं। दिखने में छोटे-छोटे ये मच्छर जब आपके शरीर पर काटते हैं, तो शरीर में खुजली और जलन होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब कोई मच्छर हमें काटता है, तो उस जगह पर तेज खुजली क्यों होने लगती है और वहां लाल रंग का एक छोटा सा गुब्बारा क्यों बन जाता है? यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन क्या है। चलिए जानते हैं।



1. लार की वजह से

जब एक मादा मच्छर हमारी त्वचा पर बैठती है, तो वह अपने डंक को हमारी त्वचा के अंदर डालती है। खून चूसने से पहले, मच्छर हमारी त्वचा में अपनी लार छोड़ती है। इस लार में खास तरह के एंटी-कोगुलेंट्स यानी थक्का-रोधी प्रोटीन होते हैं। इनका काम खून को जमने से रोकना होता है ताकि मच्छर बिना किसी रुकावट के आसानी से खून चूस सके।

2. हमारे इम्यून सिस्टम का एक्टिव होना

जैसे ही मच्छर की लार हमारे शरीर के संपर्क में आती है, हमारा इम्यून सिस्टम तुरंत अलर्ट हो जाता है। शरीर को लगता है कि कोई बाहरी और हानिकारक तत्व अंदर घुस आया है। इस हमले से बचने के लिए हमारा इम्यून सिस्टम 'हिस्टामाइन' नाम का एक केमिकल रिलीज करता है।

3. खुजली और सूजन की असली वजह

यह हिस्टामाइन ही है जो असल में खुजली और सूजन के लिए जिम्मेदार होता है। हिस्टामाइन काटे गए हिस्से के आसपास की ब्लड वेसल्स को फैला देता है। इससे उस जगह पर खून का बहाव बढ़ जाता है, जिससे वहां लाल घेरा और सूजन आ जाती है। हिस्टामाइन वहां मौजूद नर्सों को उत्तेजित करता है, जिससे मस्तिष्क को लगातार सिग्नल जाता है कि उस जगह पर कुछ गड़बड़ है। इसी सिग्नल के कारण हमें वहां तेज खुजली महसूस होती है।

हेल्दी माने जाने वाले ये ड्राई फ्रूट्स हार्ट और किडनी के लिए हैं खतरनाक

ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन किसी भी चीज़ का अत्यधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है, और यह बात ड्राई फ्रूट्स पर भी लागू होती है। कुछ ड्राई फ्रूट्स ऐसे होते हैं जिनका ज़्यादा सेवन हार्ट से लेकर किडनी की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

इन ड्राई फ्रूट्स का ज़्यादा सेवन है खतरनाक:

अखरोट: अखरोट दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन इसमें कैलोरी बहुत ज़्यादा होती है। इसके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ता है।

ज़्यादा अखरोट खाने से कुछ लोगों को पेट फूलना, गैस या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों को अखरोट से एलर्जी हो सकती है, जिससे सूजन या सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

पिस्ता: पिस्ता भी प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। लेकिन अखरोट की तरह, पिस्ता में भी कैलोरी ज़्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है। इसमें ऑक्सालेट होते हैं, जो किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाते हैं। नमकीन पिस्ता खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ सकती है, जो हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए हानिकारक है।

काजू: काजू में हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं। लेकिन इनके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ सकता है जो हार्ट की हेल्थ के लिए अच्छा नहीं है। पिस्ता की तरह, काजू में भी ऑक्सालेट होते हैं जो किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाते हैं। जिन लोगों को किडनी स्टोन की समस्या रह चुकी है, उन्हें इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

चिलगोजा: चिलगोजा में कैलोरी बहुत ज़्यादा होती है। एक छोटी मुट्ठी भी काफी कैलोरी दे सकती है, इसलिए इसके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ सकता है। फैट से भरपूर होने के कारण ज़्यादा चिलगोजा खाने से कुछ लोगों को अपच या पेट खराब हो सकता है।

मानसून में डायबिटीज को कैसे कंट्रोल रखें?

इम्यूनिटी बढ़ाने वाला खाना खाएं- बारिश के दौरान स्ट्रीट फूड लोगों को अच्छा लगता है, लेकिन ये खाना खराब होने का खतरा भी कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में डायबिटीज के रोगियों को संक्रमण को रोकना कठिन हो सकता है। खाने में घर की बनी चीजें, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें, पकी सब्जियां, खाएं। फल सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं।

पैरों की खास देखभाल करें- मधुमेह पीड़ितों को इस समय अपने पैरों की खास देखभाल करनी चाहिए। पैर गीले होने पर फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। इस मौसम में चोट लगने से भी बचाएं।

पैरों को सूखा रखें। गीले सॉक्स न पहनें। पैरों के नाखून साफ और कटे हुए रखें। नंगे पैर चलने से बचें। आरामदायक जूते ही चुनें।

नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच- मानसून में नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच रखें। खाने, व्यायाम या तनाव के स्तर में ग्लूकोज लेवल प्रभावित कर सकता है। मौसम में नमी और तापमान में परिवर्तन भी इंसुलिन संवेदनशीलता को प्रभावित कर सकते हैं।

जिससे ब्लड शुगर कम या ज्यादा हो सकता है। इसलिए समय समय पर ब्लड शुगर की जांच करते रहें।

घर में कोई न कोई व्यायाम करें- इस मौसम में भी अपनी फिटनेस दिनचर्या को कम न होने दें, भले ही आपको घर के अंदर ही क्यों न व्यायाम करना पड़े। बारिश न हो तो बाहर जाकर वॉक करें। घर के अंदर लो इंटेंसिटि वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। जैसे 30 मिनट की छोटी कसरत या घर के अंदर रोजाना सुबह की वॉक कर लें इससे ब्लड शुगर मेंटेन रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें- ह्यूमिडिटी के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है। जिससे ग्लूकोज का लेवल भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप खूब पानी पीते रहें। भले ही आपको प्यास न लगे। हर्बल टी और इन्फ्यूज्ड पानी भी हाइड्रेशन में सहायता कर सकते हैं।

क्या आपको दिन में नींद आती है? दोपहर में बार-बार आने वाली झपकी शरीर में इन बीमारियों का संकेत हो सकती है

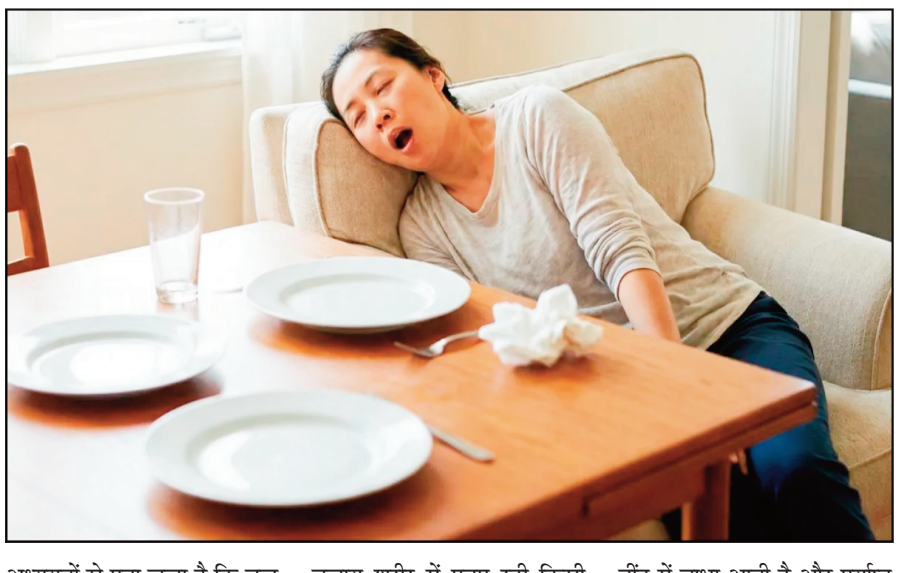
अक्सर दोपहर के खाने के बाद शरीर में आलस और सुस्ती आने लगती है। कई बार एक झपकी लेने का मन करता है। ये कोई गलत बात नहीं है बल्कि दिन में ली गई एक नैप यानि कुछ देर की झपकी आपको तरोताज़ा कर देती है। खासकर जब आपको रात में अच्छी नींद न आई हो और तनाव भरी सुबह रही हो। दरअसल, हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो एक छोटी झपकी व्यक्ति को कहीं अधिक अलर्ट और प्रोडक्टिव बना सकती है। लेकिन अगर आपको आपको हर दिन लंबी झपकी की ज़रूरत पड़ती है या भरपूर नींद लेने का बाद भी थकान महसूस होती है, तो ये शरीर में कुछ समस्याओं की ओर इशारा भी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कभी-कभार झपकी लेना पूरी तरह से सामान्य है, लेकिन बार-बार या लंबे समय तक दिन में थकान महसूस होना आपके किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आपकी नींद का पैटर्न आपको क्या संकेत दे रहा है।

दिन में झपकी लेना कैसा है?

मेदांता नोएडा के श्वसन एवं नींद चिकित्सा विभाग के निदेशक डॉक्टर मृणाल सिरकार के अनुसार, 10 से 30 मिनट की झपकी लेना फायदेमंद माना जाता है। ये नींद खासतौर से रात की खराब नींद के बाद या कोई बहुत गहरा मानसिक काम करने के दौरान फायदेमंद साबित हो सकती है।

बार-बार झपकी लेना कब चिंता का विषय होना चाहिए?

कभी-कभार झपकी लेने की जरूरत महसूस होना आम बात है। हालांकि, अगर आप हर दिन लंबी झपकी लेते हैं, जागते रहने में परेशानी होती है या पर्याप्त नींद लेने के बावजूद थका हुआ महसूस करते हुए उठते हैं, तो यह किसी समस्या का संकेत हो सकता है।



डॉक्टर सिरकार बताते हैं कि अध्ययनों से पता चला है कि वृद्ध वयस्कों में बार-बार, लंबे समय तक और असमय झपकी लेना खराब स्वास्थ्य और मृत्यु के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हो सकता है। इससे भी जरूरी बात यह है कि दिन में ज्यादा नींद आना अपने आप में एक समस्या होने के बजाय शरीर में पनप रही किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है।

स्लीप एपनिया- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित लोगों को नींद के दौरान सांस लेने में रुकावट होती है, जिसके कारण सांसनली में रुकावट आने लगती है। इससे नींद में बाधा आती है और पर्याप्त समय बिस्तर पर बिताने के बावजूद दिन में अत्यधिक नींद आती है।

अनिद्रा- अगर आपको नींद की समस्या है, नींद न आना या समय से पहले जाग जाना, अच्छी नींद टूट जाने की परेशानी है तो ऐसे लोगों को अक्सर दिन में नींद आती है और उन्हें बार-बार झपकी लेने की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

बेचैन पैर सिंड्रोम- यह एक तंत्रिका संबंधी विकार है जिसमें पैरों में संवेदनाएं होती हैं और पैर हिलाने की बहुत इच्छा होती है, खासकर रात में, इसे रेस्टलेस लेग सिंड्रोम कहते हैं। इसमें नींद की गुणवत्ता खराब होने से व्यक्ति दिन भर थका हुआ महसूस कर सकता है।

अन्य परेशानियां

डॉक्टर सिरकार ने बताया कि हाइपोथायरायडिज्म, डायबिटीज, दिल की बीमारी, पुरानी बीमारियां और कुछ तंत्रिका संबंधी विकार जैसी स्थितियां दिन में अत्यधिक नींद आने में योगदान कर सकती हैं।

थकान और नींद आना डिप्रेशन और लंबे समय तक तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी हो सकता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चतुर्थ चयन सूची जारी

बालोद । आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा 'मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना' के अंतर्गत प्रदेश में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के सत्र 2026-27 की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चतुर्थ काउंसिलिंग के प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट क्रमानुसार चयन सूची जारी कर दी गई है। जारी चयन सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि चतुर्थ चयन सूची में शामिल छात्र-छात्राओं को आगामी 30 अक्टूबर 2026 तक अपने चयनित प्रयास आवासीय विद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों को प्रवेश के समय आवश्यक अनिवार्य दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, जिनमें कक्षा 8वीं में प्रथम श्रेणी (न्यूनतम 60 प्रतिशत) उत्तीर्ण की मूल अंकसूची, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंधित प्रमाण पत्र शामिल हैं। प्रवेश की पात्रता निर्धारित होने के उपरांत छात्र-छात्राओं को दो दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा काउंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि विद्यार्थियों के लिए आवंटित चयनित प्रयास आवासीय विद्यालयों में किसी भी स्थिति में संस्था परिवर्तन मान्य नहीं किया जाएगा।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 4 नवंबर को

बालोद। जिला पंचायत बालोद के सभागार में आगामी 4 नवंबर 2026 को प्रातः 11 बजे से सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

बैठक में कृषि, सहकारिता, विपणन एवं बीज निगम विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही वन, खाद्य, विद्युत और जल संसाधन विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा होगी। खनिज विभाग के कार्यों की समीक्षा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का भी आकलन किया जाएगा। बैठक में संबंधित विभागों के कार्यों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को मिल रहे लाभ से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसका उद्देश्य विकास कार्यों में गति लाना, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, क्षेत्र के सांसद एवं विधायक तथा संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय लरंग साय जी की प्रतिमा का किया वर्चुअल अनावरण

स्वर्गीय लरंग साय जी का जीवन जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास के लिए समर्पित रहा : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से बलरामपुर जिले के ग्राम चिरई-जसवंतपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री लरंग साय जी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बलरामपुर जिले को ₹202 करोड़ 65 लाख की लागत के 2,009 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें ₹156 करोड़ 68 लाख के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन तथा ₹45 करोड़ 97 लाख के 146 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी जनसेवा के प्रति समर्पित ऐसे जननेता थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, जनजातीय समाज और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए सदैव जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा, समर्पण और जनकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय लरंग साय जी के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने, तभी से उन्हें काका लरंग साय जी के निकट संपर्क में आने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान काका जी अक्सर उनके निवास पर आया करते थे और कई बार वहीं ठहरते थे। उन्होंने काका जी से कहा था कि जब भी वे दिल्ली आएँ, उनके लिए निवास पर एक कमरा हमेशा आरक्षित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ भी स्वर्गीय लरंग साय जी के अत्यंत आत्मीय संबंध थे। अटल जी उनका विशेष सम्मान करते थे। काका जी का सहज स्वभाव, सरल जीवन और जनता के प्रति समर्पण उनकी विशिष्ट पहचान थी। सार्वजनिक जीवन में उनके आदर्श हम सभी के लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए की तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ

मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने शंकरगढ़ स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के जर्जर भवन के स्थान पर नवीन विद्यालय भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही चांदो में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं



सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बड़े सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय लरंग साय जी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमा स्थल के समीप भव्य स्मृति द्वार के निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह स्मृति द्वार जनसेवा के प्रति उनके समर्पण और क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान का प्रतीक बनेगा।

बलरामपुर जिले में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बलरामपुर जिले को एक साथ बड़ी संख्या में विकास कार्यों की सौगात मिलना क्षेत्र की प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए कार्यों के भूमिपूजन से निर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी, वहीं पूर्ण हो चुके कार्यों से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। सड़क, अधोसंरचना और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम गाँव और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे तथा हर नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

गरीबों और विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों के पक्के आवास का सपना तेजी से साकार हो रहा है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार से माँगे गए 15 हजार अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवासों को भी स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हमारी सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश में पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार, बैगा और अबूझमाड़िया जैसे समुदायों की आबादी लगभग 3 लाख 20 हजार है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत इन समुदायों के लिए लगभग 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही बिजली, पेयजल, राशन कार्ड और अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर कार्य किया जा रहा है।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, किसानों की सुविधा के लिए खुलेंगे 360 नए केंद्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। आगामी 15 नवंबर से प्रदेश में धान खरीदी प्रारंभ होगी। इस वर्ष भी किसानों से ₹3,100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा।

उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में 360 नए धान खरीदी केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम होगी और खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़ तथा लंबी कतारों से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि धान बेचने में किसी भी अन्नदाता को परेशानी न हो।

वनांचल के परिवारों की आय बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वनांचलों में निवासरत परिवारों की आजीविका को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। बस्तर और सरगुजा संभाग में लगभग 13 लाख परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े हैं। इन परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर ₹4,000 से बढ़ाकर ₹5,500 प्रति मानक बोरा की गई है। इसके साथ ही तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए चरण पादुका योजना भी पुनः प्रारंभ की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के साढ़े पाँच लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को प्रतिवर्ष ₹10 हजार की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि गरीब, किसान, श्रमिक और वनांचल के परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बनें तथा विकास की मुख्यधारा से जुड़ें।

सुशासन से आम नागरिकों का जीवन होगा अधिक सुगम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है और शासकीय सेवाओं को डिजिटल माध्यम से अधिक सुलभ बनाया जा रहा है।

समान नागरिक संहिता के प्रारूप में जनभागीदारी बिलासपुर में आठ जिलों के प्रतिनिधियों ने रखे सुझाव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया में नागरिकों और विभिन्न संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आज बिलासपुर में संभाग स्तरीय समूह चर्चा एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई। देवकी नंदन दीक्षित सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में आयोजित बैठक में आठ जिलों के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार और सुझाव रखे। विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में राज्य शासन द्वारा गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री शत्रुघ्न सिंह और श्री एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती ज्योति रानी सिंह, रायपुर संभागायुक्त एवं समिति के सचिव श्री श्याम धावड़े तथा बिलासपुर संभागायुक्त श्री सुनील जैन उपस्थित थे।

समिति के सदस्य श्री शत्रुघ्न सिंह ने समान नागरिक संहिता की पृष्ठभूमि और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पारिवारिक विषयों से संबंधित दो दर्जन से अधिक कानून एवं प्रावधान प्रचलित हैं, जिनमें अनेक भिन्नताएं हैं। समान नागरिक संहिता पर विचार का उद्देश्य इन विषयों में समानता को बढ़ावा देना तथा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को अधिक सुदृढ़ बनाना है।

श्री सिंह ने संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता रेखांकित की है।

सरकारी स्कूल में आसाराम बापू की किताब बांटने पर बवाल, पद से हटाए गए प्रभारी प्राचार्य

बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल में आसाराम बापू की पुस्तक बांटे जाने का मामला सामने आया है। मिडिल स्कूल के छात्रों को 'संस्कार सरिता' नाम की किताब बांटे जाने के आरोप बाद परिजनों में आक्रोश है। शिकायत सामने आने के बाद जिला शिक्षा विभाग ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच कराई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य महेश कुमार प्रजापति को पद से हटा दिया गया है।



मामले में जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) बलरामपुर-रामानुजगंज नरेंद्र निपूरे ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी, वाड्रफनगर से रिपोर्ट मंगवाई थी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को प्रस्तुत प्रतिवेदन और जांच समिति की अनुशंसा के आधार पर 28 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया। आदेश में विद्यालय की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए प्रभारी प्राचार्य महेश कुमार प्रजापति को उनके दायित्व से मुक्त करने का उल्लेख है।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनकपुर के व्याख्याता एलबी दुलेश्वर सिंह को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, रघुनाथनगर के प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं महेश कुमार प्रजापति को तत्काल संयुक्त जिला कार्यालय बलरामपुर की शिक्षा शाखा में उपस्थिति देने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्योत्सव में एयर शो से पहले सीएम साय से मिली सारंग टीम: नवा रायपुर में स्वदेशी 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर दिखाएंगे

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दौरान 2 नवंबर को नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम हवाई करतब दिखाएगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस एयर शो में पांच हेलीकॉप्टर एक साथ आसमान में अलग-अलग संरचनाएं बनाते हुए उड़ान भरेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से बुधवार को रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में टीम के सदस्यों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्योत्सव में टीम की भागीदारी को प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का आगमन प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव की बात है। भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता के लिए विश्वभर में सम्मानित है। सारंग टीम का हवाई प्रदर्शन इन गौरवशाली परंपराओं का जीवंत परिचय कराएगा। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह एयर शो छत्तीसगढ़वासियों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य और पराक्रम प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। सारंग टीम के पायलट जिस साहस, सटीकता और आपसी समन्वय के साथ आसमान में कठिन हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं, वह उनके कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचायक है। यह प्रदर्शन युवाओं को बड़े सपने देखने, चुनौतियों का सामना करने और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा और विमानन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी तकनीक से विकसित 'ध्रुव' हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सारंग टीम का प्रदर्शन भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का भी परिचय कराएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश के युवाओं में भारतीय वायु सेना और अन्य सशस्त्र बलों में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने की भावना को और मजबूत करेगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम द्वारा भव्य एयर शो प्रस्तुत किया जाएगा। सुबह 11 बजे से प्रारंभ होने वाले इस विशेष हवाई प्रदर्शन में पांच हेलीकॉप्टर आसमान में अद्भुत सामंजस्य, सटीक उड़ान और साहसिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे।

भारतीय एथलीट नीरज यादव ने किया सुसाइड एशियन पैरा गेम्स में जीते थे 3 गोल्ड मेडल

नई दिल्ली ■ एजेंसी



भारतीय पैरा एथलेटिक्स जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। एशियन पैरा गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतने वाले भारत के अनुभवी एथलीट नीरज यादव की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई है। 42 साल के नीरज के निधन की खबर से खेल जगत में शोक है। बताया जा रहा है कि डोपिंग प्रतिबंध के कारण वह इस महीने आयोजित एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा नहीं ले सके थे। हालांकि, उनकी मौत के सही कारणों और परिस्थितियों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम के हेड कोच एस. सत्यनारायण ने नीरज यादव के निधन की पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक, नीरज ने अपने घर पर कथित तौर पर जहर खा लिया था। 28 अक्टूबर को दिल्ली के एक अस्पताल में उनके शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा था।सत्यनारायण ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि नीरज ने आत्महत्या कर ली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस कदम के पीछे की सटीक वजह को लेकर कुछ नहीं कह सकते। हालांकि, उनका मानना है कि खिलाड़ियों को अपने करियर में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना धैर्य के साथ करना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, नीरज की मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच और अन्य जानकारियों का इंतजार है।

फिलहाल, डोपिंग प्रतिबंध और एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाने को उनकी मानसिक स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन इन परिस्थितियों और उनकी मौत के बीच किसी सीधे संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एशियन पैरा गेम्स में जीते थे तीन गोल्ड मेडल

नीरज यादव भारत के सफल पैरा एथलीटों में गिने जाते थे। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में अपने प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया था। साल 2018 में जकार्ता में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में उन्होंने भाला फेंक स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद 2023 में चीन के हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स में नीरज ने भाला फेंक और चक्का फेंक, दोनों स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इस तरह उनके नाम एशियन पैरा गेम्स के तीन गोल्ड मेडल दर्ज थे। नीरज F55 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते थे। इस श्रेणी में बैठकर खेले जाने वाले फील्ड इवेंट शामिल हैं, जिनमें शॉट पुट, डिस्कस थ्रो और जैवलिन थ्रो प्रमुख हैं।

:- संपादकीय :-

सिर्फ आर्थिक मोर्चे

संभवतः नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है।वित्त मंत्री ने स्वीकार किया है कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत 'पठार पर पहुंच गई है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि दोनों पक्ष अब ऐसे बिंदु पर हैं, जहां उनके लिए और रियायतें देना मुश्किल हो रहा है। म्यूनिख सिक्युरिटी कांफ्रेंस जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टैरिफ को हथियार बना लिया है। इससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रियर ने कहा था कि भारत अमेरिका व्यापार समझौते का संपन्न होना तय नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति अभी नहीं बनी है। इन बयानों का अर्थ है कि डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की एकतरफा रियायतों की मांग पर लगातार राजी होने के बाद आखिर ऐसी सीमा आई है, जिसके आगे झुकना भारत सरकार को मुनासिब महसूस नहीं हो रहा है। संभवतः नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है। बीते हफ्ते विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था अगर अमेरिका (पाकिस्तान प्रायोजित) आतंकवाद और भारत के सुरक्षा हितों के प्रति उदासीनता दिखाता है या पाकिस्तान से सैन्य जुड़ाव बढ़ाता है, तो इसका असर भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा।उसके बाद खबर आई कि ट्रंप परिवार से जुड़ी अमेरिका की एक डिफेंस स्टार्ट-अप कंपनी ने पाकिस्तानी सेना को ड्रोन और काउंटर- ड्रोन तकनीक की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। इसी कंपनी ने मुंबई स्थित एक फर्म के साथ काउंटर- ड्रोन इंटरसेप्टर उत्पादन का अनुबंध कर रखा है। यानी भारत में निर्मित अस्त्र पाकिस्तान के पास पहुंच सकते हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय रक्षा रणनीतिकारों ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका पाकिस्तान को फिर सैन्य समर्थन देने की शुरूआत कर रहा है? दरअसल, अनेक भू-राजनीतिक एवं रणनीतिक मामलों में पाकिस्तान को ट्रंप का साथ मिलता रहा है। इससे भारत में नाराजगी बढ़ी है। फिर भी मोदी सरकार ट्रंप की मिजाज-पुर्सी में लगी रही। लेकिन नतीजा शून्य रहा है। बहरहाल, अब भी अगर सरकार रीढ़ दिखाती है, तो देश में उसका स्वागत किया जाएगा।

कचरा प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी

विनीत नारायण

प्लास्टिक, ई-कचरा और जैविक कचरे से रोजगार और आय पैदा हो सकती है लेकिन इसके लिए अनौपचारिक क्षेत्र को सम्मानजनक तरीके से जोड?ा और उत्पादकों पर ई.पी.आर. को सख्ती से लागू करना जरूरी है। स्वच्छ भारत अभियान ने नींव रखी लेकिन अब उस नींव पर वृत्ताकार मॉडल खड़ा करना होगा। इस अभियान के अनुभवों से सीख लेकर विकेंद्रीकृत समाधानों और नागरिक जिम्मेदारी को मजबूत किया जाए, तो कचरा प्रबंधन टिकाऊ और लाभकारी बन सकता है। जब तक कचरा कचरा माना जाएगा, समस्या बनी रहेगी। जब उसे संसाधन माना जाएगा, तभी असली स्वच्छता और टिकाऊ विकास संभव होगा। समय आ गया है कि हम इस दिशा में ठोस और निरंतर कदम उठाएं।-यह रोजगार पैदा करता है, संसाधन बचाता है और स्वास्थ्य सुधारता है। सर्कुलर इकोनॉमी तभी सफल होगी जब हम कचरे को केवल साफ करने का साधन न मानें, बल्कि उसे आर्थिक मूल्य वाला संसाधन बनाएं।भारत में ठोस अपशिष्ट का बड़ा हिस्सा जैविक है। इसे खाद या बायोगैस में बदला जा सकता है। प्लास्टिक, ई-कचरा, बैटरी और अन्य सामग्री को रीसाइकिंलिंग के जरिए वापस आथिक चक्र में लाया जा सकता है।



भारत हर दिन लाखों टन कचरा पैदा करता है। शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट की मात्रा लगातार बढ़ रही है, जबकि ग्रामीण इलाकों में भी प्लास्टिक और अन्य कचरे का ढेर लग रहा है। 2014 में सरकार के स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की पहल की लेकिन ठोस कचरा प्रबंधन में इसकी सफलता अधूरी रही है। पर्यावरण और जनहित की दृष्टि से अब जरूरत इस बात की है कि हम रैखिक मॉडल (उत्पादन-उपयोग-फैंकना) से आगे बढ़कर सर्कुलर इकोनॉमी (वृत्ताकार अर्थव्यवस्था) को अपनाएं, जिसमें कचरे को संसाधन बनाया जाए।उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत अभियान का सबसे बड़ा योगदान शौचालय निर्माण और खुले में शौच कम करने में रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों शौचालय बने और कई राज्यों को ओपन डिफेकेशन फ्री घोषित किया गया। शहरी क्षेत्रों में भी डोर-टू-डोर कलैक्शन और सफाई में सुधार देखा गया। लेकिन जब बात ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की आती है तो तस्वीर अलग है। अभियान का शुरूआती जोर शौचालयों और दिखाऊ स्वच्छता पर रहा। कचरे को स्रोत पर अलग करना, प्रोसैस करना और लैंडफिल में कम भेजना, ये चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। कई जगहों पर अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बने लेकिन रखरखाव और संचालन के अभाव में वे बेकार पड़े हैं। सोर्स सैग्रीगेशन का दावा ज्यादा है लेकिन जमीन पर मिश्रित कचरा ही पहुंचता है। इससे प्रोसैसिंग प्लांट्स की क्षमता प्रभावित होती है और लैंडफिल पर बोझ बना रहता है। नगरपालिकाओं में कर्मचारियों, धन और तकनीकी क्षमता की कमी भी एक बड़ा कारण है। जागरूकता की कमी के चलते व्यवहारगत बदलाव धीमा रहा है, लोग कचरा अलग नहीं करते या खुले में फैंक देते हैं। सत्यापन की कमजोरी के कारण ओ.डी.एफ. प्लस जैसी उपलब्धियां भी पूरी तरह टिकाऊ नहीं हो पाई हैं।यहीं सर्कुलर इकोनॉमी का महत्व सामने आता है। यह मॉडल कचरे को शून्य करने या न्यूनतम करने पर जोर देता है। रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल और रिकवर, ये इसके मुख्य सिद्धांत हैं। भारत में ठोस अपशिष्ट का बड़ा हिस्सा जैविक है। इसे खाद या बायोगैस में बदला जा सकता है। प्लास्टिक, ई-कचरा, बैटरी और अन्य सामग्री को रीसाइकिंलिंग के जरिए वापस आथिक चक्र में लाया जा सकता है। इससे लैंडफिल का दबाव कम होगा, प्रदूषण घटेगा, रोजगार बढ़ेंगे और आयात पर निर्भरता भी कम हो सकती है। सरकार ने प्लास्टिक, ई-कचरा, बैटरी, टायर समेत कई कचरा धाराओं के लिए नियम बनाए हैं और विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ई.पी.आर.) लागू की है। इसके तहत उत्पादकों को अपने उत्पादों के जीवनकाल के अंत में जिम्मेदारी लेनी होती है। कई लाख टन कचरा प्रोसैस भी हो चुका है लेकिन अभी भी स्रोत पर पृथक्करण, रीसाइकिंलग क्षमता और अनौपचारिक क्षेत्र के एकीकरण में बड़ी कमी है।समस्या का मूल कारण सिस्टम की कमजोरी है। कचरा अलग न होने से रीसाइकिंलग महंगी और मुश्किल हो जाती है। अनौपचारिक कबाड़ी और कचरा उठाने वाले महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन उन्हें औपचारिक सिस्टम में शामिल करने की व्यवस्था अपर्याप्त है। नगरपालिकाएं अक्सर बड़े प्लांट्स पर निर्भर रहती हैं, जबकि विकेंद्रीकृत समाधान, जैसे सामुदायिक कंपोसिंटग ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं। वहीं निगरानी और प्रवर्तन भी कमजोर है। नागरिकों को जागरूक करने के प्रयास हुए लेकिन निरंतरता और जवाबदेही की कमी रही। स्वच्छ भारत अभियान ने कुछ हद तक जागरूकता पैदा की लेकिन टिकाऊ आदतें और बुनियादी ढांचा दोनों अधूरे रहे।आगे का रास्ता स्पष्ट है। सबसे पहले स्रोत पर कचरा पृथक्करण को अनिवार्य और व्यावहारिक बनाना होगा। इसके लिए नगरपालिकाओं को अलग-अलग वाहन और प्रोसैसिंग सुविधाएं देनी होंगी। ई.पी.आर. को और सख्ती से लागू किया जाए और उत्पादकों-रीसाइक्लर्स के बीच समन्वय बेहतर हो। जैविक कचरे के लिए गोबरधन जैसी योजनाओं को विस्तार देना चाहिए। अनौपचारिक क्षेत्र को प्रशिक्षण, सुरक्षा उपकरण और उचित मूल्य देकर औपचारिक बनाया जाए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ाई जाए। ऐसे में सबसे अहम कारण यह है कि नागरिकों में स्रोत पर कचरा अलग करने की आदत अभी भी कमजोर है। जब घरेलू स्तर पर ही गीला और सूखा कचरा मिला रहता है तो रीसाइकिंलग और कंपोसिंटिंग दोनों मुश्किल हो जाते हैं। साथ ही, नगरपालिकाओं की क्षमता बढ़ाने के लिए फंडिंग, स्टाफ और तकनीकी सहायता जरूरी है। लीगेसी डंपसाइट्स की सफाई जारी रखनी होगी लेकिन नया कचरा वहां न पहुंचे, यह भी सुनिश्चित करना ज्यादा महत्वपूर्ण है।सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक अवसर भी है। प्लास्टिक, ई-कचरा और जैविक कचरे से रोजगार और आय पैदा हो सकती है लेकिन इसके लिए अनौपचारिक क्षेत्र को सम्मानजनक तरीके से जोड५ा और उत्पादकों पर ई.पी.आर. को सख्ती से लागू करना जरूरी है।

स्वच्छ भारत अभियान ने नींव रखी लेकिन अब उस नींव पर वृत्ताकार मॉडल खड़ा करना होगा। इस अभियान के अनुभवों से सीख लेकर विकेंद्रीकृत समाधानों और नागरिक जिम्मेदारी को मजबूत किया जाए, तो कचरा प्रबंधन टिकाऊ और लाभकारी बन सकता है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?ा रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

सू- दोकू क्र.201

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.200 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

नजरिया | अशोक भाटिया

आत्मघाती कड़वाहटः हताशा में लक्ष्मण रेखा भूली कांग्रेस



घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं।

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास वैचारिक असहमतियों, तीखे तर्कों और धारदार बहसों से समृद्ध रहा है। संसद से लेकर सड़क तक, देश ने दक्षिणपंथ से लेकर वामपंथ और क्षेत्रीय अस्मिताओं के बीच बड़े-बड़े वैचारिक द्वंद्व देखे हैं। लेकिन, अतीत में इन सभी बहसों की एक अंतर्निहित मयार्दा होती थी। राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे की नीतियों पर प्रहार करते थे, चरित्र और मयार्दाओं पर नहीं। दुर्भाग्य से, समकालीन राजनीति ने संवाद की उस समृद्ध परंपरा को हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई एक बेहद विवादित टिप्पणी (₹मोदी का बाप भी जाएगा₹) और उसके बाद आज पूरे देश में मचा सियासी बवाल इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। पटना के एक कार्यक्रम में सामने आए इस बयान ने न केवल एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बल्कि यह सवाल भी नए सिरे से उठा दिया है कि क्या देश का राजनीतिक नेतृत्व जन-सरोकारों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा की मयार्दा की बलि चढ़ाने पर आमादा है?घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। पटना की सभा में जब भीड़ से किसी ने नारा लगाया या कुछ कहा, तो उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष का आपा खोना और प्रधानमंत्री के उस दिवंगत पिता तक पहुंच जाना, जो कभी राजनीति का हिस्सा ही नहीं रहे, किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। आज इसी का नतीजा है कि भारतीय जनता पार्टी देश भर के सभी राज्य मुख्यालयों में इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है, पटना की अदालतों में शिकायतें दर्ज हो रही हैं और संसद से लेकर सड़कों तक का माहौल एक बार फिर वैचारिक विमर्श के बजाय व्यक्तिगत प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है।इस पूरे विवाद में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें और रणनीतियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इसे लोकतंत्र की न्यूनतम मयार्दाओं को तार-तार करने वाला कृत्य करार दिया है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि जब विपक्ष नीतियों के मोर्चे पर सरकार को घेरने में नाकाम रहता है, तो वह व्यक्तिगत कुंठा और हताशा में इस तरह के आक्षेपों पर उतर आता है। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से सफाई पेश की जा रही है कि इस बयान को संदर्भ से काटकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का इरादा किसी के स्वर्गीय पिता का व्यक्तिगत अपमान करना नहीं था, बल्कि वे एक वैचारिक संदर्भ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या सरकार की नीतियां) में अपनी तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दे रहे थे। लेकिन क्या राजनीति में 'संदर्भ' की आड़ लेकर व्यक्तिगत गरिमा पर चोट करने की छूट दी जा सकती है? यह एक ऐसा बुनियादी सवाल है, जिससे कोई भी दल बच नहीं सकता।

विचार | अजय दीक्षित

असहमति की आवाज कानून-संविधान विरुद्ध नहीं



किसी बदलाव का तरीका संवैधानिक और जनतांत्रिक ही हो सकता है। आज न तो भारत की स्थिति बांग्लादेश जैसी है और न ही रिजीम चेंज जैसे शब्दों से किसी को डरने या डराने की आवश्यकता है। सरकारों का बनना और बदलना जनतंत्र की एक विशेषता है।दशकों पुरानी बात है, जब मैंने पहली बार प्रदर्शनकारियों को यह नारा लगाते सुना था-सरकार बदलने वाला नारा। जिस जोश से यह नारा लगाया जा रहा था, उसे मेरे बाल मन ने कहीं गहरे तक छुआ होगा, तभी तो आज तक याद है। वह नारा था-रोटी-रोजी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।नारा लगाने वालों के हाथों में जनसंघ के झंडे थे। कल की वही जनसंघ पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी कहलाती है। अब यह पार्टी सत्ता में है और अब इस पार्टी की सरकार बदलने के नारे लग रहे हैं। नारा लगाने वालों में प्रमुख वही कांग्रेस है, जिसकी सरकार को बदलने की बात दशकों पहले भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ किया करती थी। और इसमें कहीं कुछ गलत भी नहीं है। हमारी व्यवस्था जनतांत्रिक है। जनतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार पर नजर रखना और जरूरत पड़ने पर उसे बदलने की कोशिश करना है।आज कांग्रेस पार्टी अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता बदलने की बात कर रही है। भाजपा ने चुनाव जीतकर यह सत्ता हासिल की थी। यह दूसरी बात है कि आज के विपक्ष का आरोप है कि भाजपा ने यह जीत वोट पाकर नहीं, बल्कि वोट चुराकर हासिल की है। इस वोट हेराफेरी के खिलाफ देश में अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। जरूरी है कि इन आरोपों की जांच हो।

क्यों नहीं घर का, घाट का

किन्हीं सज्जन की एक फेसबुक पोस्ट पर ट्विटर (यानी एक्स) और फेसबुक पर बड़ी रोचक चर्चा हुई। यानी पहले फेसबुक पर पोस्ट डाली गई, फिर उसी पर इस सोशल मीडिया मंच के अलावा एक्स पर भी चर्चा हुई, जिसमें कहा गया है कि ह्यधोबी का कुत्ता घर का न घाट का कहावत में कुत्ता नहीं, कुतका का प्रयोग सही है। यह लोकोक्ति सदियों से ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी, बुंदेली, नेपाली, कुमाऊंनी सहित अनेक अन्य भाषाओं में बहुत पहले से उपस्थित है। इसकी विवेचना करें, तो 15वीं सदी के संत कवि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित कवितावली में इसका प्रयोग मिलता है। इसका आशय ऐसे व्यक्ति से है, जो एक ठिकाने पर जमकर कोई काम नहीं करता। बेकार उधर फिरने वाला। यानी, अगर कहें तो निकम्मा आदमी।कहावत में कुत्ता घर का इसलिए नहीं है, क्योंकि आमतौर पर कुत्ते का काम घर की रखवाली करना होता है। जब वह घाट पर जाएगा, तो रखवाली कौन करेगा? घाट का इसलिए नहीं कि वहां उसके करने का कोई काम नहीं और आखिर वहां से भी धोबी के साथ लौट ही आएगा। इस लोकोक्ति का एक छोटा रूप भी हिंदी में चलता है-घर का न घाट का। अंग्रेजी में इसके समकक्ष कहावत है-कुतका। हिंदी में एक बैटनुमा मोटा डंडा या सोंटा है, जो कपड़े को धोने के दौरान पीटने के काम आता है। इसके और भी अर्थ हैं, किंतु धोबी का खूंटा नहीं। पंजाबी में कुतका को थापी या मोंगरी और कुमाऊंनी में मुंगरा/मुंगर भी कहा जाता है। सिख इतिहास में उल्लेख मिलता है कि यह लड़ाई के काम भी आता था और सुना है कि उन्हें आज भी धरोहर की भांति संभालकर रखा गया है। ब्रज-बुंदेलखंडी में कुतका ठेंगे के लिए प्रयोग किया जाता है। ये ले ठेंगा मेरा के लिए कुतका लै लै मेओ कहा जाता है। कुमाऊंनी में कुतक्यूण का मूल अर्थ गुदगुदी करना (कुत्क्याई, कुतकुति) है। इसका संबंध भी ब्रज/बुंदेली के कुतका से लगता है, क्योंकि कुतकुती अंगूठे और उंगलियों से कोमल अंगों में दी जाती है। लाक्षणिक प्रयोग (मुहावरे) के रूप में कुतक्यूण पिटाई करने के अर्थ में है, वैसे ही जैसे सिंकाई करना, पूजा करना। ठेंगा (अंगूठा दिखाना) के लिए कुमाऊंनी में घुत्ता है। यह भी कुतका (ठेंगा) से हो सकता है। कुतका और इससे संबंधित देसज शब्दों के अर्थ और इनके इस्तेमाल को लेकर भी कई तरह की बातें हैं। वैसे तो हर शब्द का एक अर्थ होता है और उस अर्थ तथा शब्द की उत्पत्ति को लेकर भी कई कहानियां होती हैं। वैसे, यहां जो शब्द है-घर का न घाट का-उसके इस्तेमाल पर भी कई बार विवेचनाएं हो चुकी हैं।

शब्द सामर्थ्य -201

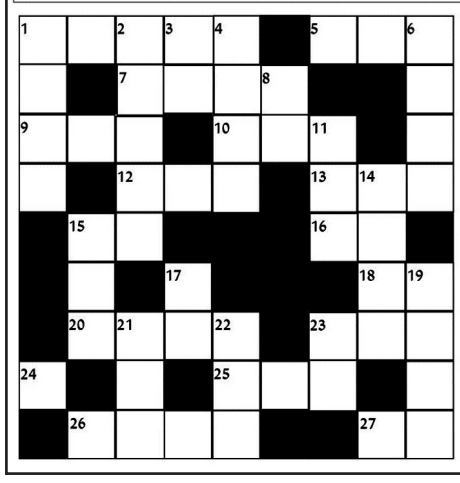
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक200 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

धान खरीदी से पहले जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 86.40 क्विंटल धान जब्त

कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग एवं मंडी समिति की संयुक्त कार्रवाई, 5 प्रकरण दर्ज

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। आगामी धान खरीदी के मद्देनजर जिले में अवैध रूप से धान के व्यापार एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग तथा मंडी समिति द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों से कुल 216 बोरी धान, जिसका कुल वजन 86.40 क्विंटल है, जब्त किया गया है। इस मामले में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कुल 5 प्रकरण निर्मित किए गए हैं।

खाद्य अधिकारी श्री चंद्रशेखर देवांगन ने बताया कि जिले में धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले अवैध धान व्यापार के विरुद्ध यह पहली कार्रवाई है। जिला प्रशासन द्वारा धान के अवैध व्यापार, अनियमित भंडारण एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि धान खरीदी व्यवस्था पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित हो सके। खाद्य विभाग एवं



मंडी समिति की संयुक्त टीम द्वारा जिले के ग्राम उड़िया कला, बिडोरा, कल्याणपुर,भागुटोला और तरेगांव जंगल इन पांचों स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 216 बोरी धान जब्त किया गया तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार 5 प्रकरण दर्ज किए गए।

इन स्थानों पर की गई कार्रवाई

खाद्य विभाग एवं मंडी बोर्ड की संयुक्त टीम द्वारा कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अनिकृत रूप से रखे धान का रोकथाम के लिए कार्यवाही की गई। जिसमें बजरंगबली ट्रेडर्स, उड़ियाकला, सहसपुर लोहारा से कुल 60 बोरी मात्रा 24 क्विंटल, श्री भोजराम पटेल बिड़ौरा से कुल 40 बोरी मात्रा 16 क्विंटल, श्री पेखन साहू, कल्याणपुर से कुल 55 बोरी मात्रा 22 क्विंटल, परमात्मा ट्रेडर्स, भागूटोला से कुल 50 बोरी मात्रा 20 क्विंटल एवं श्री अजय नाग तरेगांव जंगल से कुल 11 बोरी 4.40 क्विंटल। इस प्रकार कुल 05 प्रकरणों में कुल 216 बोरी में 86.40 क्विंटल धान जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत् प्रकरण दर्ज किया जाकर आगामी कार्यवाही किया जा रहा है।

धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने प्रशासन सक्रिय

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आगामी धान खरीदी को ध्यान में रखते हुए अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन का उद्देश्य धान खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप संचालित करना है।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने तथा अवैध व्यापार में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आवारा कुत्तों की समस्या से परेशान हैं तो डायल करें 'निदान 1100'

नगर पालिका कवर्धा की अपील शिकायत मिलने पर मौके पर पहुंचकर की जाएगी आवश्यक कार्रवाई

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शहर के गली-मोहल्लों में आवारा कुत्तों की समस्या के निराकरण के लिए नगर पालिका परिषद कवर्धा ने नागरिकों से राज्य स्तरीय टोल-फ्री हेल्पलाइन 'निदान 1100' पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है। नगर पालिका प्रशासन के अनुसार, आवारा कुत्तों के कारण यदि किसी वार्ड या मोहल्ले में आम नागरिकों, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है या उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता की स्थिति है, तो इसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1100 पर दी जा सकती है।

नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि शिकायत दर्ज कराते समय अपना नाम और पूरा पता स्पष्ट रूप से दर्ज कराएं, ताकि संबंधित क्षेत्र की पहचान कर समस्या के निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। शिकायत प्राप्त होने के बाद नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेगी और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

समस्या की सूचना देकर सहयोग करने की अपील

नगर पालिका प्रशासन ने कहा है कि शहर में नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवारा कुत्तों से संबंधित समस्याओं की सूचना समय पर देना जरूरी है। इसके लिए नागरिक स्वयं आगे आकर हेल्पलाइन का उपयोग करें और अपने वार्ड या मोहल्ले में ऐसी समस्या होने पर तत्काल 1100 पर संपर्क करें।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शहर को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग करें तथा आवारा कुत्तों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 'निदान 1100' हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

अवैध मदिरा के विक्रय एवं शराबखोरी पर रोक लगाने आबकारी विभाग की टीम कर रही लगातार गश्त



सरोधा बांध के ऑक्सीजन जोन क्षेत्र में आबकारी विभाग की कार्रवाई, 2 प्रकरण दर्ज

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में अवैध मदिरा के विक्रय एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा लगातार गश्त एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने सरोधा बांध के ऑक्सीजन जोन क्षेत्र में गश्त कर आबकारी अधिनियम के तहत दो प्रकरण दर्ज किए हैं।

आबकारी विभाग की टीम द्वारा आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पांडेय के नेतृत्व में संबंधित क्षेत्र में निगरानी रखी जा रही है, ताकि अवैध मदिरा के विक्रय एवं शराबखोरी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, च, 34(2) एवं धारा 36(च) के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं। विभाग द्वारा सरोधा बांध के ऑक्सीजन जोन क्षेत्र सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त कर निगरानी की जा रही है।

अवैध मदिरा के विक्रय एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के कारोबार एवं शराबखोरी पर रोक लगाने के लिए गश्त और निगरानी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सतनाम ट्रस्ट के ब्लॉक अध्यक्ष बने अशोक टोण्डे सतनामी

भंडारपुरी धाम में हुआ शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। सतनाम ट्रस्ट प्रबंधन कमेटी की ब्लॉक इकाई लोरमी के गठन के दौरान अशोक टोण्डे सतनामी को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ग्राम पंचायत खाम्ही में आयोजित बैठक में ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों के साथ युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया। इस नियुक्ति से क्षेत्र में सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सतनाम ट्रस्ट के संरक्षक धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब एवं संस्थापक धर्मगुरु गुरु सोमेश बाबा के सानिध्य और मार्गदर्शन में तथा प्रदेशाध्यक्ष राजमहंत अनुप कुर्रे सतनामी एवं प्रदेश महासचिव जिला महंत राजा मिरी सतनामी के नेतृत्व में संगठनात्मक विस्तार की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल की गई।शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध सतनाम ट्रस्ट छत्तीसगढ़ शासन में पंजीकृत



सतनाम ट्रस्ट का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक विकास एवं मानवता की सेवा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाना है। ट्रस्ट के माध्यम से वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रवृत्ति, युवाओं को उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं जरूरतमंद समुदायों के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवाएं और मेडिकल कैंप आयोजित करने की दिशा में भी कार्य करने का लक्ष्य है।सतनामी समाज के लिए स्वयं का अस्पताल, स्कूल एवं कॉलेज स्थापित करने, प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में सहयोग देने तथा मेधावी युवाओं को आईएएस एवं आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराने सहित समाज के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से ट्रस्ट को महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संगठन को मजबूत एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए संरक्षक के रूप में रामेश्वर बंजारे, संजय काठले, खेमचंद सतनामी एवं धनेश्वर सतनामी को जिम्मेदारी दी गई।

कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में त्रिलोक कोशले सतनामी, ब्लॉक उपाध्यक्ष के रूप में प्रदीप गायकवाड़, लेखचंद सतनामी, वास्कल सतनामी, भारत जांगड़े एवं महेश सतनामी को दायित्व सौंपा गया।महासचिव के रूप में



रूपेश डहरिया, सहसचिव के रूप में तुलाराम बघेल एवं योगेश सतनामी, सचिव के रूप में विनोद कुर्रे, कोषाध्यक्ष के रूप में राजकुमार कुर्रे, संगठन मंत्री के रूप में शिवप्रसाद सतनामी, मीडिया प्रभारी के रूप में उमेश दिवाकर तथा प्रचार सचिव के रूप में कमल सतनामी एवं भुरूवा सतनामी को नियुक्त किया गया।इसी क्रम में ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बजरंग बंजारा, भुनेश्वर पात्रे, मनोज भारती, सोनदास, आर्यन, श्यामसुंदर, पवन एवं लव सहित अन्य सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के विभिन्न पदों पर भी नियुक्तियां की गईं।

भंडारपुरी धाम में समाज के आदेशक एवं निर्देशक, सतनाम ट्रस्ट के संरक्षक धर्मगुरु राजागुरु गुरु बालदास साहेब तथा छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की उपस्थिति में सतनाम ट्रस्ट के संस्थापक धर्मगुरु गुरु सोमेश बाबा ने प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया। इस अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया गया तथा नियुक्ति आदेश जारी कर बधाई, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान की गईं।नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अशोक टोण्डे सतनामी ने कहा, यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज, सतनाम ट्रस्ट और मानवता की सेवा करने का महत्वपूर्ण अवसर तथा गौरवपूर्ण जिम्मेदारी है। मैं पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ ट्रस्ट के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

बोड़ला में 41 बच्चों की हृदय जांच, 20 ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित

चिरायु योजना से जन्मजात हृदय रोगों की पहचान और निःशुल्क उपचार की पहल

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की समय पर पहचान और जरूरतमंद परिवारों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कबीरधाम जिले के बोड़ला में निःशुल्क ईको कार्डियोग्राफी जांच शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत आयोजित इस शिविर में 41 बच्चों की हृदय जांच की गई, जिनमें से 20 बच्चों को ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित किया गया। समय पर बीमारी की पहचान और उपचार से इन बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य एवं सामान्य जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में आयोजित शिविर में रायपुर स्थित सत्य साईं हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने सेवाएं दीं। बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश साठे ने बच्चों की ईको कार्डियोग्राफी जांच की। जांच के बाद ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित बच्चों को आगे के उपचार की प्रक्रिया से जोड़ने की पहल की गई।

18 वर्ष तक के बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात विकृतियों, बीमारियों, पोषण संबंधी कमियों और विकास में होने वाली समस्याओं



की शुरुआती अवस्था में पहचान कर उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। इसके तहत जिले के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, अनुदान प्राप्त विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों, आश्रमों और छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की जाती है।

चिरायु दल वर्ष में एक बार विद्यालयों तथा वर्ष में दो बार आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर बच्चों की जांच, स्वास्थ्य परामर्श और आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। गंभीर बीमारी सामने आने पर बच्चों को चिरायु वाहनों के माध्यम से शासन द्वारा अनुबंधित शासकीय एवं निजी अस्पतालों में भेजा जाता है। आवश्यकता पड़ने पर छत्तीसगढ़ शासन से अनुबंधित राज्य के बाहर के अस्पतालों में भी उपचार और ऑपरेशन की व्यवस्था की जाती है।

हृदय रोग के लक्षणों को नजरअंदाज न करें

शिविर में डॉ. योगेश साठे ने अभिभावकों को बच्चों में हृदय रोग के संभावित लक्षणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिशुओं में दूध पीते समय जल्दी थक जाना, सांस फूलना, अधिक पसीना आना, होंठ या नाखून नीले पड़ना, वजन नहीं बढ़ना तथा आराम के दौरान भी तेज सांस चलना हृदय रोग के संकेत हो सकते हैं।

इसी तरह बड़े बच्चों में शारीरिक गतिविधि के दौरान सांस फूलना, अत्यधिक थकान, व्यायाम करते समय सीने में दर्द, खेलते हुए चक्कर आना या बेहोशी तथा दिल की धड़कन असामान्य रूप से तेज होना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे संकेत दिखाई देने पर अभिभावकों को तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई।

जांच से उपचार तक पहुंचाने पर जोर

शिविर का उद्देश्य केवल बच्चों में बीमारी की पहचान करना नहीं, बल्कि उन्हें आगे की जांच, आवश्यक ऑपरेशन और उपचार की सुविधाओं से जोड़ना भी है। शिविर में 41 बच्चों की जांच और 20 बच्चों का ऑपरेशन के लिए चिन्हांकन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चिन्हांकन के बाद संबंधित बच्चों को विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यक जांच और उपचार की प्रक्रिया पूरी करानी होगी।

शिविर में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनुपमा तिवारी, डॉ. मुकुंद राव, शिव गोपाल, शिवेंद्र देवांगन सहित विकासखंड के अधिकारी-कर्मचारी और चिरायु दल के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग बोड़ला के बी एम ओ पुरुषोत्तम राजपूत ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों को गंभीरता से लें, नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और चिरायु योजना के तहत उपलब्ध निःशुल्क जांच एवं उपचार सुविधाओं का लाभ उठाएं।

अंतर्राज्यीय नार्को सिंडिकेट का भंडाफोड़, उड़ीसा से लाई जा रही 1,500 प्रतिबंधित टैबलेट के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर नकेल कसने के लिए पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स (ANTF) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। बालोद पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय नशीली दवा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। तांदुला नदी के तट पर स्थित रामघाट मंदिर के पास दबिश देकर पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियों के साथ तीन आरोपियों को धर दबोचा। इस पूरी कार्रवाई में जब्द की गई सामग्री और वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 7,15,000 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना तथा एसडीओपी बालोद विनय साहू के मार्गदर्शन में जिले में अवैध गतिविधियों और नशीले पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में 27 अक्टूबर 2026 को थाना बालोद के निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा को मुखबिर से विशेष सूचना मिली कि तांदुला नदी किनारे रामघाट मंदिर के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति दोपहिया वाहनों में अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की बड़ी खेप खपाने और बिक्री करने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए थाना बालोद और एएनटीएफ बालोद की संयुक्त पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस टीम ने मौके से तीन संदिग्ध तस्करों को रंगे हाथों दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नवीन चावला, आशीष निर्मलकर और किशन बहादुर उर्फ नेपाली के रूप में हुई है। पूछताछ और शुरुआती जांच में यह बात सामने आई कि ये नशीली गोलियां विशेष तौर पर भुवनेश्वर (ओडिशा) से लाई जा रही थीं, जिन्हें स्थानीय स्तर पर और आसपास के इलाकों में सप्लाई किया जाना था। पुलिस द्वारा मौके पर की गई सघन तलाशी और जब्ती की कार्रवाई का विवरण इस प्रकार है जिसमें प्रतिबंधित नशीली दवा Nitrosun-10 (Nitrazepam



Tablets IP) की कुल 1,500 गोलियां (कुल वजन लगभग 870 ग्राम), जिसकी अनुमानित कीमत 6,00,000 रुपए है। अवैध कारोबार से जुड़े 15,000 रुपए नकद। एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (पंजीयन क्रमांक सीजी 05 एयू 3540, कीमत करीब 30,000 रुपए) और एक होंडा एक्टिवा स्कूटी (पंजीयन क्रमांक सीजी 24 डब्ल्यू 3471, कीमत करीब 50,000 रुपए)। आरोपियों के पास से जप्त मोबाइल फोन, जिनका पूरा विवरण एफआईआर में दर्ज है। इस प्रकार कुल 7,15,000 रुपए मूल्य की अवैध सामग्री पुलिस ने अपने कब्जे में ली है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बालोद में अपराध क्रमांक 0574/2026, एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 22(ग) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। पुलिस अब इस बात की गहराई से छानबीन कर रही है कि इस नेटवर्क के तार और कहां-कहां जुड़े हैं तथा इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग संलिप्त हैं।

इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने में निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी व सहायक उप निरीक्षक धरम भूआर्य तथा आरक्षक बनवाली साहू, संजय सोनी, चुलेंद्र कुर्रे, विपिन गुप्ता, भोप सिंग साहू, राहुल, पूरन, मिथलेश, योगेश समेत एएनटीएफ की पूरी टीम की भूमिका बेहद सराहनीय रही।

बालोद पुलिस ने क्षेत्र के आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कहीं भी नशीली दवाइयों के अवैध कारोबार या किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे खुद भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक रहें और युवाओं को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

राशिद खान इतिहास रचने के करीब, अंतरराष्ट्रीय टी20 में कोई गेंदबाज हासिल नहीं कर सका है ये उपलब्धि



नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज राशिद खान अंतरराष्ट्रीय टी20 में एक ऐसी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं जिसके आस-पास भी कोई दूसरा गेंदबाज नहीं है। राशिद गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में इतिहास रच सकते हैं। राशिद खान ने 119 टी20 मैचों में 199 विकेट लिए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय टी20 सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार को खेले जाने वाले टी20 मुकाबले में 1 विकेट लेते ही राशिद के 200 अंतरराष्ट्रीय टी20 विकेट हो जाएंगे, और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले गेंदबाज होंगे। राशिद बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। मंगलवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए पहले टी20 मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए। राशिद ने बल्ले से भी दमदार प्रदर्शन किया और 10 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम को जीत दिलाते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

अंतरराष्ट्रीय टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले 5 गेंदबाजों की सूची पर नजर डालें तो राशिद 119 मैचों में 199 विकेट लेकर पहले, इंग्लैंड के आदिल राशिद 153 मैचों में 171 विकेट लेकर दूसरे, हांगकांग के एहसान खान 119 मैचों में 165 विकेट लेकर तीसरे, न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी 142 मैचों में 165 विकेट लेकर चौथे, न्यूजीलैंड के ही टिम साउदी 126 मैचों में 164 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं। ओवरऑल टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी राशिद खान पहले स्थान पर हैं। लीग और अंतरराष्ट्रीय टी20 मिलाकर खेले गए कुल 550 मैचों में वह 740 विकेट ले चुके हैं।

भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है। अर्शदीप सिंह ने 102 मैचों में 149 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले चौथे टी20 में अर्शदीप के पास अपने 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरा करने का मौका है।

स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कहा, 3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे



बेसल (एजेंसी)। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था।

2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था।

रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था।

वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था।

वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दूं, हमेशा लड़ूं, कोई पछतावा न हो। अपने लिए, विरोधी के लिए, टूर्नामेंट के लिए, फैंस के लिए, सबके लिए सम्मान के साथ रहूं। 20 से ज्यादा वर्षों तक यही हमेशा सबसे जरूरी चीज रही है, और यही एकमात्र तरीका है जिससे आप खेल बिना किसी पछतावे के छोड़ सकते हैं।

आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया को फायदा, तीन मैच जीतकर नंबर वन के करीब पहुंचा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के पहले तीन मैच टीम इंडिया ने जीत लिए हैं। बैक टू बैक तीन मैच जीतकर सीरीज पर भी भारतीय टीम का कब्जा हो गया है। अभी दो मैच बाकी हैं। इस बीच भारत को आईसीसी रैंकिंग में जबरदस्त फायदा मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया अब फिर से नंबर वन बनने के करीब पहुंच चुकी है। अब इंग्लैंड की पहले नंबर की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है।

टीम इंडिया का न्यूजीलैंड दौरा जारी है। सीरीज का पहला मैच 22 अक्टूबर को खेला गया था। अगर 21 अक्टूबर की आईसीसी टी20 रैंकिंग पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत की रेटिंग 267 की है। उस वक्त इंग्लैंड की टीम 269 की रेटिंग के साथ पहले नंबर पर काबिज थी। लेकिन अब यानी तीन मैच होने और भारत की जीत के बाद टीम इंडिया की रेटिंग बढ़ गई है। भारत की रेटिंग आज यानी 28 अक्टूबर को 269 की हो चुकी है। जैसा कि हमने पहले ही आपको बताया कि इंग्लैंड की रेटिंग भी इतनी ही है।

अब आईसीसी टी20 रैंकिंग में भारत और इंग्लैंड की रेटिंग बराबर हो चुकी है, लेकिन अगर दशमलव तक के अंकों को जोड़ा जाए तो इंग्लैंड की हल्की सी बढ़त दिखाई पड़ती है। लेकिन इतना तो तय है कि इंग्लैंड की पहले नंबर की कुर्सी पर खतरा है। भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 सीरीज का चौथा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा, इसके बाद रविवार को आखिरी मैच होगा। अगर भारत ने न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ कर दिया और सभी पांच मैच जीत लिए तो पक्का है कि टीम इंडिया इंग्लैंड को पछाड़कर फिर से टी20 इंटरनेशनल की नंबर वन टीम बन जाएगी। पहले दो नंबर की टीमों की बात हो हमने कर ली, लेकिन एक नजर उसके नीचे की तीन और टीमों की करें तो यहां ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। उसकी रेटिंग 260 की है। न्यूजीलैंड की रेटिंग 245 की है और टीम नंबर चार पर है। इसी न्यूजीलैंड की रेटिंग सीरीज के शुरू होने से पहले 247 की थी, जो अब घट गई है।

अलवर के पंकज जैन और भाई नीरज ने खरीदी अरबियन एसेस क्रिकेट फ्रेंचाइजी



अलवर (एजेंसी)। जिले के बड़ौदा कान गांव से जुड़े पंकज जैन और उनके भाई नीरज जैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखते हुए 'अरबियन एसेस क्रिकेट फ्रेंचाइजी खरीदी है। टीम आगामी अबू धाबी टी10 लीग में हिस्सा लेगी। दोनों भाइयों को फ्रेंचाइजी के 50 वर्षों के अधिकार मिले हैं। एक छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फ्रेंचाइजी तक पहुंचने की यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। पंकज जैन ने बताया कि क्रिकेट के क्षेत्र में कुछ बड़ा करने का सपना वे लंबे समय से देख रहे थे। अब भाई नीरज जैन के साथ उन्होंने इस सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। टीम 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी में होने वाली टी10 लीग में मैदान पर उतरेगी। यह प्रतियोगिता क्रिकेट के सबसे छोटे और तेज प्रारूप टी 10 की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लीगों में शामिल है।

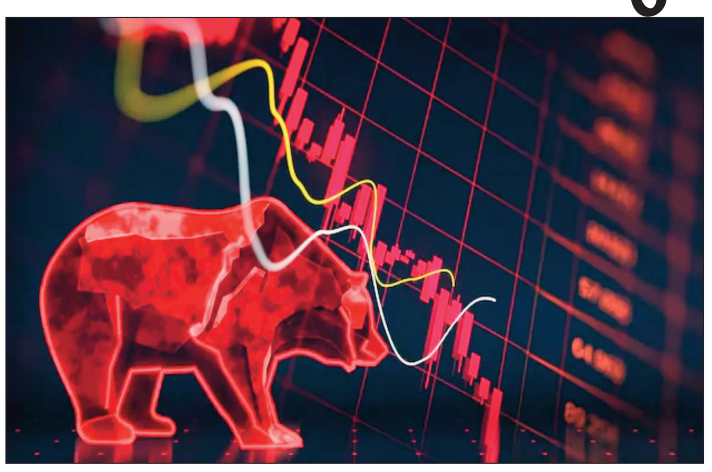
अरबियन एसेस ने अपने पहले सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी टीम तैयार की है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन और वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर लांस क्लूजनर को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। उनके अनुभव और आक्रामक क्रिकेट की समझ से टीम को फायदा मिलने की उम्मीद है।

50 साल के विजन के साथ बनेगा स्पोर्ट्स ब्रांड:

पंकज जैन ने कहा कि अरबियन एसेस उनके लिए केवल क्रिकेट टीम या व्यावसायिक निवेश नहीं, बल्कि एक दीर्घकालीन सपना है। उनका लक्ष्य इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाला स्पोर्ट्स ब्रांड बनाना है। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी के 50 वर्षों के अधिकार मिलने के साथ उनकी योजना इसे लंबे समय तक विकसित करने की है। शुरुआत अबू धाबी टी10 से हो रही है, लेकिन लक्ष्य दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को इस ब्रांड से जोड़ना है। पंकज के अनुसार, अबू धाबी टी10 का प्रसारण विभिन्न देशों में टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होता है। उनके मुताबिक, पिछले सीजन में टूर्नामेंट की पहुंच 100 से अधिक देशों तक रही और आयोजकों ने इसकी दर्शक पहुंच 32.5 करोड़ से अधिक बताई थी।

व्यापार

शेयर बाजार में गिरावट से शुरू हुआ कारोबार, खुलते ही सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बुधवार को सुस्त और भारी बिकवाली के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में ही बाजार पर मंदड़िए हावी नजर आए, जिसके चलते प्रमुख सूचकांक लाल निशान में फिसल गए। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 667.12 अंक (0.91%) की भारी गिरावट के साथ 72,931.55 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 158.65 अंक (0.70%) टूटकर 22,591.10 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया। शुरुआती घंटों में बाजार की चौड़ाई कमजोर रही, जहां 1,028 शेयरों में तेजी तो 1,253 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 165 शेयर स्थिर बने रहे।

आईटी सेक्टर में सबसे बड़ा भूचाल

आज के शुरुआती सत्र में सबसे ज्यादा दबाव टेक्नोलॉजी और आईटी शेयरों पर देखने को मिला। भारी बिकवाली के चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 3.37% का गोता लगाकर 31,103.60 के स्तर पर आ गया। निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1.47% और निफ्टी एफएमसीजी में 1.43% की कमजोरी दर्ज की गई। इनके अलावा, निफ्टी रियल्टी (-0.75%), निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.67%), निफ्टी बैंक (-0.49%), निफ्टी मेटल (-0.49%) और निफ्टी फार्मा (-0.42%) भी लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। हालांकि, शुरुआती दबाव के बीच निफ्टी ऑटो (+0.24%) मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में टिकने में कामयाब रहा।

इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टीसीएस धड़ाम

निफ्टी 50 के शेयरों में बिकवाली के कारण दिग्गज कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इंफोसिस (-4.13%) सबसे ज्यादा नुकसान झेलने वाला स्टॉक रहा।

इसके अलावा टेक महिंद्रा (-3.25%), एचसीएल टेक (-3.29%), टीसीएस (-3.06%) और मैक्स हेल्थकेयर (-1.04%) प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। वहीं, चौतरफा मंदी के बावजूद कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। एलएंडटी (L&T) 4.47% की जोरदार छलांग लगाकर ₹3,828.80 पर पहुंच गया और टॉप गेनर बना। इसके साथ ही बजाज ऑटो (+2.98%), एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस (+1.64%), मारुति सुजुकी और हिंडाल्को (+0.36%) हरे निशान में कारोबार करते दिखे।

आगे की बाजार चाल

वैश्विक मोर्चे से सकारात्मक संकेतों के बावजूद घरेलू स्तर पर आईटी और दिग्गज शेयरों में हुई बिकवाली ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सत्र के आगे बढ़ने पर निवेशकों की नजरें कंपनियों के तिमाही नतीजों और संस्थागत निवेशकों (FIIs/DIIs) के रुख पर टिकी रहेंगी।

बस्तर में 310 किसानों की बैठक, बेस्ट एग्रोलाइफ ने दी उत्पादों की जानकारी

जगदलपुर (एजेंसी)। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने बस्तर किसान कल्याण संघ के सहयोग से जगदलपुर में किसान बैठक, उत्पाद जागरूकता और उत्पाद लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 310 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में टमाटर और बेल वाली सब्जियों की फसलों में सुरक्षा उपायों तथा कंपनी के उत्पादों की उपयोगिता की जानकारी दी गई। कंपनी के इतिहास में पहली बार महिला किसानों ने भी इस तरह के कार्यक्रम में भागीदारी की। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए स्प्रे पंप और उपहार वितरित किए गए। वितरण भागीदार लखन जानकी पेस्टिसाइड्स ने लगभग 1.50 लाख रुपये के कूपन वाली विशेष योजना की घोषणा की।

एशियन पेंट्स ने पेश किया दिवाली पर संगीतमय अभियान

रायपुर (एजेंसी)। एशियन पेंट्स ने दिवाली की तैयारियों की खुशियों को दर्शाने के लिए 'तैयारी शुरू, त्योहार शुरू' शीर्षक से संगीतमय विज्ञापन फिल्म पेश की है। यह अभियान घर की सफाई, सजावट और दीवारों को नए रंगों से सजाने के दौरान परिवार और दोस्तों के बीच बनने वाले खुशनुमा पलों को दर्शाता है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक अमित सिंगल ने कहा कि दिवाली का उत्साह त्योहार से पहले ही तैयारियों के साथ शुरू हो जाता है। इन तैयारियों के दौरान परिवार के सदस्य एक साथ समय बिताते हैं और खुशियां साझा करते हैं। अभियान के माध्यम से कंपनी ने रंगों, संगीत और आपसी मेलजोल के जरिए दिवाली की भावना तथा घरों को नया रूप देने के महत्व को प्रस्तुत किया है।

एचडीएफसी बैंक ने लॉन्च किया फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन

मुंबई (एजेंसी)। एचडीएफसी बैंक ने इलेक्ट्रिक कारों की खरीद आसान बनाने के लिए फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन शुरू किया है। इसके तहत कार की बॉडी और बैटरी के लिए अलग-अलग ऋण मिलेगा। बैटरी ऋण चुकाने के लिए लंबी अवधि का विकल्प होने से ग्राहकों को मासिक किस्तों के भुगतान में लचीलापन मिलेगा। यह सुविधा देशभर में बैंक की 9,700 से अधिक शाखाओं में उपलब्ध है। बैंक के रिटेल एसेट्स एवं ग्रामीण बैंकिंग समूह के प्रमुख अरविंद वोहरा ने कहा कि यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों को किफायती और आसान बनाने में मदद करेगी। वर्ष 2030 तक भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों की हिस्सेदारी 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

तमिलनाडु में ऑटो किराये की नई दरें तय, अब 50 रुपये से कम नहीं होगा न्यूनतम किराया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने करीब 13 साल बाद ऑटो के किराये में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब सामान्य इलाकों में ऑटो से शुरुआती 1.8 किलोमीटर की यात्रा के लिए कम से कम 50 रुपये देने होंगे। इसके बाद हर अतिरिक्त किलोमीटर के लिए 25 रुपये किराया देना होगा। इससे पहले ऑटो का किराया अगस्त 2013 में तय किया गया था। नई दरों से जहां ऑटो चालकों को बढ़ती लागत से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं यात्रियों को अब सफर के लिए पहले से ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

राज्य के गृह (परिवहन) विभाग ने मंगलवार को जारी अधिसूचना में ऑटो किराये की नई दरों की जानकारी दी। साल 2013 में तय नियमों के अनुसार, शुरुआती 1.8 किलोमीटर के लिए 25 रुपये और इसके बाद हर अतिरिक्त किलोमीटर के लिए 12 रुपये देने होते थे। अब सरकार ने इन दरों में बढ़ोतरी की है। नई व्यवस्था के तहत सामान्य इलाकों में शुरुआती 1.8 किलोमीटर का किराया 50 रुपये होगा। इसके बाद हर किलोमीटर के लिए 25 रुपये चुकाने होंगे।

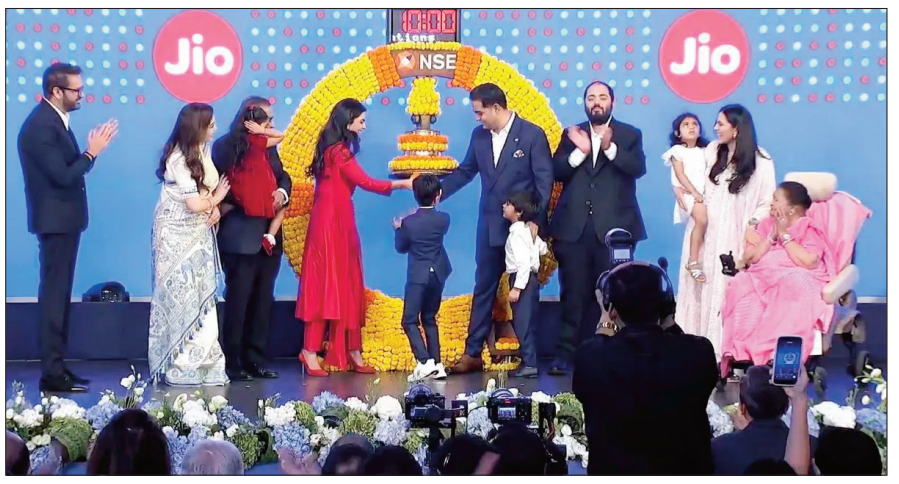
घाट वाले इलाकों में कितना देना होगा किराया?

सरकार ने घाट वाले क्षेत्रों के लिए अलग दरें तय की हैं। यहां शुरुआती यात्रा के लिए न्यूनतम किराया 60 रुपये होगा। इसके बाद हर अतिरिक्त किलोमीटर के लिए 30 रुपये देने होंगे। यानी घाट वाले इलाकों में ऑटो से सफर करना सामान्य क्षेत्रों के मुकाबले महंगा होगा। इसके अलावा, अगर ऑटो चालक को यात्री के इंतजार में रुकना पड़ता है, तो इसके लिए प्रति मिनट 1 रुपये का शुल्क तय किया गया है।

रात में ऑटो का सफर होगा महंगा

नई दरों के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 5 बजे के बीच ऑटो से सफर करने पर सामान्य किराये का 1.5 गुना भुगतान करना होगा। यानी इस समय यात्रा करने वाले यात्रियों को दिन के मुकाबले ज्यादा किराया देना पड़ेगा। ऑटो चालक लंबे समय से किराया बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि पेट्रोल की कीमतों, बीमा प्रीमियम और गाड़ियों के रखरखाव का खर्च लगातार बढ़ा है।

शेयर बाजार में जियो प्लेटफॉर्म्स की हुई धमाकेदार एंट्री, IPO प्राइस से 21% प्रीमियम पर लिस्ट हुए शेयर



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में मुकेश अंबानी की कंपनी Jio Platforms ने धमाकेदार एंट्री की है। रिकॉर्डतोड़ आईपीओ और निवेशकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद कंपनी के शेयर बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर आईपीओ के भाव से करीब 21% प्रीमियम पर लिस्ट हुए। जियो की इस शानदार शुरुआत ने निवेशकों का ध्यान खींचा है। देश के सबसे बड़े आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में कदम रखने वाली कंपनी की लिस्टिंग को भारतीय पूंजी बाजार के लिए एक अहम घटना माना जा रहा है। आपको बता दें कि जियो का आईपीओ, हुंडई मोटर इंडिया के ₹27,870 करोड़ के आईपीओ को पीछे छोड़कर देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बना।

लिस्टिंग के बाद भी जियो के शेयरों में तेजी जारी

शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करने के बाद जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। एनएसई पर कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान ₹1,374.50 के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। इस तरह आईपीओ में शेयर पाने वाले निवेशकों को इश्यू प्राइस ₹1,119 के मुकाबले करीब 22.50% तक का लिस्टिंग गेन मिला।

जियो प्लेटफॉर्म्स बनी भारती की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

जियो प्लेटफॉर्म्स ने शेयर बाजार में लिस्टिंग के साथ ही देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का स्थान हासिल कर लिया है। कंपनी का मार्केट कैप ₹12.50 लाख करोड़ पहुंच गया, जबकि ₹16.12 लाख करोड़ के बाजार पूंजीकरण के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले नंबर पर बनी हुई है। वहीं, भारती एयरटेल अब खिसककर तीसरे स्थान पर आ गई है। उसका मार्केट कैप ₹12.03 लाख करोड़ है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में शामिल हैं।

दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग शुरू, होम डिलीवरी की सुविधा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। लेकिन, ग्राहकों को अभी होम डिलीवरी की सुविधा नहीं मिल पाएगी। दिल्ली सरकार के दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम ने एक मोबाइल ऐप डेवलप किया है। इस मोबाइल ऐप के जरिए अब रिटेल दुकानों से शराब की एडवांस ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है। अधिकारियों ने मंगलवार को ये जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शराब की होम डिलीवरी नहीं होगी। ग्राहकों को ऑनलाइन बुक की गई और भुगतान की गई शराब की बोतलें 48 घंटे के अंदर खुद जाकर लेनी होंगी। दिल्ली में शराब की एडवांस बुकिंग 'Delhi Liquor Booking' ऐप के जरिए की जा सकती है। अधिकारियों के मुताबिक, बेची गई या ले जाई जा चुकी शराब को वापस करने का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि, दुकान से शराब की बोतल लेने से पहले बुक किए गए ऑर्डर को कैंसिल किया जा सकता है।

सड़कों का बिछ रहा जाल आवागमन होगा सुगम : विधायक रोहित साहू

236 करोड़ में राजिम से महासमुंद तक बनेगी फोरलेन सड़क





राजिम (दैनंदिनी ब्यूरो)। 28 अक्टूबर। बरसते पानी में राजिम विधायक रोहित साहू चौबेबांधा पहुंचकर कुल 12 करोड़ 60 लाख रुपया के दो सड़क परियोजना का स्थल भूमि पूजन किया। जिसमें राजिम चौबेबांधा नवागांव मार्ग लंबाई 3.30 किलोमीटर स्वीकृत राशि 9 करोड़ तथा चौबेबांधा सिंधौरी मार्ग लंबाई 3.60 किलोमीटर 4.65 करोड़ रूपया है। जिसका पूजा अर्चना के साथ गैती से जमीन खोदा गया और स्थल भूमि पूजन के कार्यक्रम को संपन्न किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे जिसके बीच में सभा को संबोधित करते हुए राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि मेला को नए मैदान में लाने के बाद सड़क की चिंता मुझे सबसे ज्यादा थी और लगातार इसकी मांग भी आ रही थी राजिम से चौबेबांधा टू लेन की स्वीकृति मिली है। आज के बाद से दोनों परियोजना का कार्य शुरू हो जाएगा वैसे सन 2023 में भाजपा की सरकार बनी तब से विधानसभा क्षेत्र का चहुमुखी विकास हो रहा है। महतारी बंदन में हर महिलाओं को प्रति माह ₹1000 मिल रहा है। गरीबों का पक्का आवास बन रहा है। गांव गली का उद्धार हो रहा है। पिछली सरकार के कामकाज को भी आपने देखा है तब और अपने बहुत फर्क है। भाजपा की सरकार में विकास धरातल पर दिख रहा है। राजिम से छुरा मार्ग स्थल भूमि पूजन के समय भी पानी गिर रहा था जो अब तेजी के साथ बन रहा है दीपावली के बाद से भक्तिन माता चौक से काम शुरू हो जाएगा। श्री साहू ने ग्रामीणों को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि काम की मॉनिटरिंग आप सबको करना है आप बताएं कि कहां पर नाली लगाना है और कहां पर क्या करना है काम में पारदर्शिता जरूरी है मैं भी बीच-बीच में आकर देखता रहूंगा गलत हो रहा है तो अधिकारी और ठेकेदार को बुलाया जाएगा और उन्हें सही किया जाएगा।

विधायक रोहित साहू ने आगे कहा कि राजिम फिंगेश्वर महासमुंद तक 146 करोड रुपए की स्वीकृति मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव के आशीर्वाद से मिला है। राजिम से 4 किलोमीटर तक फोरलेन बनाना था। इस बात को लेकर मुझे चिंता हो रही थी कि भविष्य में फिर से बाकी सड़क को फोर लेन बनाने की मांग होगी उससे अच्छा अभी से प्रयास किया जाए मैं मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री तथा विभाग के सचिव से बैठकर निवेदन किया तब उन्होंने फोरलेन के लिए अलग से 90 करोड रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति दी। अब 236 करोड़ रूपया में राजिम से लेकर महासमुंद तक फोरलेन सड़क बनेगी जिसमें नाल पुल पुलिया इत्यादि सभी की व्यवस्था होगी। महिला समूह की बहनों की मांग पर उन्होंने महिला भवन बनाने की घोषणा किया तथा चौबेबांधा में लक्ष्मी गणेश उत्सव समिति के रंगमंच के लिए राशि स्वीकृत होने की जानकारी दी। मौके पर उपस्थित राजिम के पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने कहा कि मेरे 40 सालों के प्रयास से क्षेत्रीयता का वातावरण बना है।

बाहरी की अब आवश्यकता नहीं है क्षेत्रीयता जनता के हर आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। राजिम विधानसभा क्षेत्र में अब बदलना नहीं है। विकास की परिभाषा अब देखने को मिल रही है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष महेश यादव ने भी सभा को संबोधित किया। इस मौके पर जिला पंचायत सभापति नंदिनी ओंकार साहू, नंदनी कोमल ढ़ीढ़ी, नगर पालिका परिषद गरियाबंद के अध्यक्ष रिखीराम यादव, नगर पंचायत छुरा के अध्यक्ष लोकेश्वरी निषाद, नगर पंचायत कोपरा के अध्यक्ष रूप नारायण साहू, प्रीतम सिंहा उपाध्यक्ष जिला भाजपा गरियाबंद, बोधन साहू, राजू साहू, राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू,जनपद सदस्य आशीष पांडे, चौबेबांधा के सरपंच दुलीचंद आंडे, सिंधौरी के सरपंच डीगेश्वर साहू, तुमेश साहू,गोपचंद बनर्जी, मनहरण साहू, नंदू साहू, पीडब्ल्यूडी विभाग राजिम के एस डीओ ज्वालाकांत साहू, इंजीनियर नवीन श्रीवास्तव, मनीष साहू इत्यादि बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार सोनकर ने किया।

किसान हित और जनकल्याण को समर्पित सरकार के फैसले ऐतिहासिक : स्वाधीन जैन









दल्लीराजहरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद में लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए भाजपा नेता श्री स्वाधीन जैन ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का हर फैसला किसान और आम जनता के हित में है।

15 नवंबर से 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, 360 नए उपार्जन केंद्र, एम-ऊर्जा योजना में 31 मार्च 2027 तक छूट जारी रखना और शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे निर्णय सुशासन और संवेदनशीलता का प्रतीक हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

साय सरकार के जनकल्याणकारी फैसलों से हर वर्ग लाभान्वित होगा : जयदीप गुप्ता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में कैबिनेट के ऐतिहासिक फैसलों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता श्री जयदीप गुप्ता ने कहा कि यह सरकार किसान, मध्यम वर्ग और कर्मचारी सभी का ख्याल रख रही है। 27.50 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, एग्रीस्टेक पंजीकृत किसानों को पुनः पंजीयन से छूट, डिजिटल क्रॉप सर्वे और बायोमेट्रिक खरीदी से पारदर्शिता आएगी। साथ ही 7.25 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत और कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा देना सराहनीय कदम है।

धान खरीदी, बिजली बिल में राहत और कैशलेस इलाज – साय सरकार के तीन बड़े तोहफे : आशीष लालवानी

प्रदेश सरकार के मंत्रिपरिषद के निर्णयों को जनहितकारी बताते हुए भाजपा नेता श्री आशीष लालवानी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने साबित कर दिया है कि उनकी सरकार किसान हित और जनकल्याण को समर्पित है। खरीफ वर्ष 2026-27 में 3100 उपार्जन केंद्रों पर धान खरीदी, घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में रियायत जारी रखना और शासकीय सेवकों के लिए ऑनलाइन कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करना - ये तीनों फैसले छत्तीसगढ़ के हर परिवार को सीधे राहत देने वाले हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन का मॉडल पेश कर रही है सरकार : हितेश कुमार डोंगरे

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में लिए गए मंत्रिपरिषद के निर्णयों पर हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा नेता श्री हितेश कुमार डोंगरे ने कहा कि यह फैसले प्रदेश में सुशासन की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। किसानों को 3100 रु. प्रति क्विंटल पर 21 क्विंटल तक धान बेचने का अवसर, पुराने किसानों को पुनः पंजीयन से मुक्ति, 400 यूनिट तक बिजली खपत पर राहत की अवधि बढ़ाना और गंभीर बीमारी में कर्मचारियों को तत्काल कैशलेस सुविधा देना - यह दर्शाता है कि सरकार हर वर्ग की चिंता कर रही है।

24.70 लाख रुपये की लागत से निर्मित महतारी सदन बना महिला सशक्तिकरण का केंद्र

अम्बिकापुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी सदन योजना के तहत सुविधाजनक भवन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पुहपुटरा में 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से निर्मित महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। पहले समूह की महिलाओं को बैठक के लिए कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ों की छांव का सहारा लेना पड़ता था। अब महतारी सदन बनने से उन्हें सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान मिल गया है, जहां वे बिना किसी संकोच के समूह की बैठकों और आजीविका संबंधी गतिविधियों पर चर्चा कर रही हैं।

ग्राम पुहपुटरा में महतारी सदन का निर्माण वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत महतारी सदन योजना के अंतर्गत 24.70 लाख रुपये की लागत से किया गया है। भवन में महिलाओं के बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ शौचालय सहित



आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे गांव के विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों को नियमित बैठक और सामूहिक गतिविधियों के संचालन में सहूलियत मिल रही है।

लक्ष्य महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष बिंदेश्वरी राजवाड़े बताती हैं कि समूह गठन के शुरुआती दिनों में बैठक आयोजित करने के लिए कोई निश्चित स्थान नहीं था। कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ के नीचे बैठक करनी पड़ती थी। सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही और भीड़ के कारण महिलाएं अपनी समस्याओं तथा आजीविका से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा नहीं कर पाती थीं।

डबरीपारा तालाब के जीर्णोद्धार के लिए 2.57 करोड़ की स्वीकृति, बढ़ेगी सुविधाएं

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद लोरमी के अंतर्गत वार्ड 2, 5, 6 के बीच स्थित डबरीपारा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य के लिए मिशन अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत राज्य शहरी विकास अभिकरण, द्वारा 2 करोड़ 57 लाख 62 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें पांच वर्षों के संचालन एवं संधारण का खर्च भी शामिल है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की मिशन अमृत 2.0 योजना के तहत यह स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना का उद्देश्य शहरी जलस्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन एवं पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देना है। डबरीपारा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति मिलने पर नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. अशोक जायसवाल एवं सभापति विश्वास दुबे ने केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू और उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से नगर के जलस्रोतों के संरक्षण और तालाब के विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, तालाब के पुनर्जीवन से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी तथा नागरिकों को भी इसका लाभप्राप्त होगा। डबरीपारा तालाब का जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने से नगर में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

नगर पालिका के इंजीनियर जयंत साहू ने बताया कि योजना के तहत तालाब का जीर्णोद्धार का कार्य होगा इसके तहत तालाब में एसटीपी का निर्माण होगा, जिसके माध्यम से खराब पानी को ट्रीट करके बाहर निकाला जाएगा। तालाब के चारों तरफ रिटेनिंग वाल, तीन पचरी और चारों तरफ पाथवे का



निर्माण होगा। तालाब के चारों ओर लाइटिंग के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट लगाया जाएगा। प्राक्कलन में एक बोर का भी प्रावधान किया गया है। सीएमओ चंदन शर्मा ने बताया कि इसी से जुड़ा हुआ एक नाली निर्माण के लिए निविदा लगी हुई है, तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य समय पर पूरा करा लिया जायेगा।

तालाब को मिलेगा पुनर्जीवन

नगर के डबरीपारा तालाब की स्थिति वर्तमान में दयनीय है, कभी यह तालाब आसपास के रहने वाले सैकड़ों परिवारों का निस्तारी का प्रमुख साधन था, लेकिन समय के साथ लोगों की सुविधाएं बढ़ी और घर से निकलने वाला गंदा पानी नाली के माध्यम से तालाब में ही जाने लगा। जिसके चलते यह तालाब का पानी उपयोग के लायक नहीं रहा। वर्तमान में तालाब में गाद भर चुका है। पुरे तालाब में असंख्य खरपतवार हो गए है, लेकिन अब इस तालाब को पुनर्जीवित करने की बड़ी पहल की गई है। नगर पालिका के सभापति और वार्ड 6 के पार्षद विश्वास दुबे ने बताया कि तालाब के जीर्णोद्धार के माध्यम से खराब हो चुके तालाब को फिर से बेहतर स्थिति में लाया जायेगा।

इसके अंतर्गत तालाब से गाद और कचरा निकालना, जलभराव की क्षमता बढ़ाना, पानी के प्राकृतिक आवागमन को सुधारना, किनारों का संरक्षण करना तथा लैंड स्केपिंग जैसे कार्य किए जायेंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तालाब में पानी की उपलब्धता बनाए रखना, भूजल स्तर बढ़ाने में मदद करना और पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। डबरीपारा तालाब में यह कार्य होने से तालाब के संरक्षण, जल संचयन और नगर के पर्यावरण सुधार को बढ़ावा मिलने के साथ साथ लोगो की सुविधाएं बढ़ेगी।

बालोद जिले की ऐतिहासिक धम्मभूमि गौरैय्या (चौरेल) में प्रथम राज्य स्तरीय बौद्ध धम्म महोत्सव संपन्न

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। बौद्ध विरासत संरक्षण संघ, जिला बालोद के तत्वावधान में गत 25 अक्टूबर 2026 को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर धम्मभूमि गौरैय्या (चौरेल) में पहली बार राज्य स्तरीय बौद्ध धम्म महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। तांदुला नदी के संगम स्थल पर स्थित यह ऐतिहासिक पुरातात्विक धरोहर प्राचीन काल से ही बौद्ध संस्कृति का केंद्र रही है। इस गरिमामय आयोजन में धम्मोपदेश के लिए धम्मालैंड, दी रॉयल मोनास्टिक स्कूल, बिरबिरा (सिरपुर) जिला महासमुन्द के फाउंडर प्रेसिडेंट पूज्य भंते श्रद्धेय डॉ. शील रत्न बोधि जी अपने भिक्खु संघ के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ग्राम चौरेल पुरातात्विक महत्व का एक विशेष केंद्र है, जहाँ कालांतर में चौरस राजाओं के राज्य और वावनगढ़ के सानिध्य में बौद्ध विरासत फलती-फूलती रही। वीरान स्थल रहने के दौरान यहाँ बौद्ध भिक्षुओं ने डेरा डालकर तथागत बुद्ध की प्रतिमा स्थापित की थी। समीप स्थित बावली की सफाई के दौरान कई प्राचीन स्तंभ और विखंडित मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। स्थानीय निवासियों द्वारा बुद्ध विहार का निर्माण कर इन प्रतिमाओं को स्थापित किया गया है, तथा धम्म चक्र अंकित प्राचीन स्तंभ को 'बुद्ध देव चौक' के रूप में स्थापित किया गया है।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में पूज्य भंते शीलरत्न बोधि जी एवं भिक्खु संघ की अगुवाई में नगर भ्रमण करते हुए एक भव्य रैली निकाली गई, जो बुद्ध देव चौक



पहुंचकर वंदना में परिणत हुई। मंच पर पधारने के बाद पूज्य भंते जी को पुष्प अर्पित कर धम्मोपदेश की याचना की गई।

पूज्य भंते डॉ. शील रत्न बोधि जी ने उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को त्रिशरण और पंचशील ग्रहण करवाया। इसके पश्चात अपनी धम्म देशना में उन्होंने बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन किया। चार आर्य सत्य : जीवन के दुखों, उनके कारणों, दुख निरोध और दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा का बोध कराया। आर्य अष्टांगिक मार्ग : जीवन को नैतिक, संयमित और कल्याणकारी बनाने वाले आठ मार्गों का महत्व समझाया। दान पारमिता : दान और सेवा के महत्व को स्पष्ट करते हुए विशेष रूप से चिवरदान के महत्व पर प्रकाश डाला। मंगल मैत्री : अंत में सभी प्राणियों के सुख और कल्याण के लिए मंगल मैत्री कराई, जिससे पूरा गौरैया धाम परिसर धम्ममय हो गया। इसके पश्चात विधिवत चिवरदान संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय बौद्ध महासभा के ट्रस्टी एस.आर. कांडे, उपाध्यक्ष पालनहार मेश्राम व प्रज्ञा कांडे, कानूनी सलाहकार आदरणीय संजय बेंद्रे, जिला अध्यक्ष दिलीप मेश्राम, वर्षा बागडे, दीपक वैदे, पूर्व जिला अध्यक्ष तुलसीराम खोबरागड़े व वामन वानखेड़े, ग्राम चौरेल की सरपंच आदरणीय सरिता यादव (पूजा यादव), अपर कलेक्टर आदरणीय सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, नगर पंचायत चौकी के पूर्व उपाध्यक्ष रितेश मेश्राम, तथा बालोद के शिशु रोग विशेषज्ञ आदरणीय ए.व्ही. महेश्वर आदि प्रमुख रूप से शामिल हुए।

मंच पर सभी अतिथियों का पुष्पहार एवं गुलदस्ते से स्वागत किया गया। राष्ट्रीय ट्रस्टी एस.आर. कांडे ने पूर्व तहसील समिति बालोद के छगनलाल महेश्वर, रामेश्वर दहीवेले, नत्थूराम महेश्वरी, झाड़ू राम सुखदेव, देवलाल बोरकर आदि कर्मठ पदाधिकारियों के योगदान को नमन किया। मुख्य अतिथि कुंवर सिंह निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा प्रदत्त समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय पर आधारित संविधान की बदौलत ही वे आज विधायक हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का स्मरण करते हुए बताया कि वर्षों पूर्व अर्जुंदा में आई भीम ज्योति की उन्होंने अगुवाई की थी। उन्होंने खुद को बाबासाहेब का एक सिपाही बताते हुए बौद्ध समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, पूर्व तहसील समिति के दिवंगत कर्मठ कार्यकर्ताओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके वारिसों को मोमेंटो, पुष्पहार व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। बालोद जिले के समस्त परिक्षेत्रीय पदाधिकारियों तथा निस्वार्थ भाव से सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। आंबेडकरवादी पुनेश्वर देवांगन एवं घनश्याम रात्रे को 'तथागत बुद्ध के उपदेश' पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस विशाल आयोजन में आयुष्मान नागेंद्र कमड़े ने सफल संचालन किया, स्वागत भाषण संघ के अध्यक्ष आदरणीय प्रवीण लोंहारे ने दिया, धन्यवाद ज्ञापन हरमीत लेनपांडे ने किया तथा समापन की घोषणा संघ के सचिव गुंजन रामटेक ने की। इस महोत्सव में बालोद के अलावा कांकेर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, धमतरी, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और अन्य दूरदराज के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में बौद्ध उपासक-उपासिकाएं शामिल हुईं। आयोजन को सफल बनाने में डी.पी. लोंहारे, अनिल खोबरागड़े, जय नंदा, चंद्र कुमार बारसागड़े, प्यारे बोरकर, सुनील रंगारे, देवेंद्र मेश्राम, सतीश वैदे, संगीता बोरकर, रत्ना मेश्राम, नीता कमल, ज्योत्सना मेश्राम, चंद्रशिला बामबेशवर आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मीडिया प्रभारी संजय सावलकर द्वारा दी गई।

दल्लीराजहरा की बेटी भाही देशमुख ने 13वीं राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक और 'स्ट्रॉन्ग लिफ्टर' का खिताब



बालोद(दैनंदिनी ब्यूरो)। लौह नगरी दल्ली राजहरा में आयोजित 13वीं राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ओपन एयर थिएटर दल्ली राजहरा के प्रांगण में दिनांक 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2026 तक चली इस प्रतियोगिता में 'द हेल्थ प्लेनेट जिम' की प्रतिभावान लिफ्टर भाही देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

महेंद्र देशमुख की सुपुत्री भाही देशमुख ने 43 किलोग्राम वजन समूह में अपनी बेहतरीन शक्ति और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

इस कड़े मुकाबले में उन्होंने अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रतियोगिता के प्रतिष्ठित 'स्ट्रॉन्ग लिफ्टर' के खिताब से भी नवाजा गया। इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और उनके कुशल प्रशिक्षकों (कोच) भुवनेश्वरी निषाद, संजय पटेल और सुभाष साहू का अमूल्य मार्गदर्शन रहा है, जिन्होंने लगातार अभ्यास करवाकर उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है।

भाही देशमुख की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से दल्ली राजहरा सहित पूरे छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमियों में भारी उत्साह है। उनकी इस सफलता पर दल्ली राजहरा के सीएसपी विकास पटले, रितु साहू, दीपक साहू, मार्तण्ड सिंह और 'द हेल्थ प्लेनेट जिम' के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है। सभी गणमान्य नागरिकों और खेल प्रेमियों ने भाही देशमुख को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके माता-पिता और प्रशिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया है। यह जीत न केवल दल्ली राजहरा बल्कि पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर, इसका संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का नैतिक दायित्व : मुख्यमंत्री साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम परिसर में उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ, रायपुर द्वारा आयोजित करम पूजा परब 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, प्रेम और सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा विकसित की, वह आज भी हमारे समाज को महत्वपूर्ण संदेश देती है। करम परब इसी जीवनदर्शन का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन के मूल्यों से जोड़ता है।





मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। प्रदेश के विभिन्न जनजातीय समाजों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। करम परब भी ऐसी ही गौरवशाली परंपरा है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के साथ परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवनमूल्य और समाज को एकजुट रखने की भावना समाहित है। इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखना और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। जब हमारी नई पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक पर्वों से जुड़ी रहेगी, तभी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत निरंतर आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करम परब जैसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं। ऐसे अवसरों पर समाज के वरिष्ठजनों से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने उरांव समाज द्वारा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सक्रिय सहभागिता से ही हमारी सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सकेगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रायपुर जिले के गनोद गांव में उरांव समाज के लिए 50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विविध जनजातीय परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार हैं। इन परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता, परस्पर सहयोग और सामाजिक समरसता का सुंदर संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करने के साथ उनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित सभी लोगों को करम पूजा परब की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत ही हमारी पहचान और हमारी शक्ति है। यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना निरंतर मजबूत होती रहे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी, समाज के प्रमुख श्री बिन्देश्वर भगत, उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन, सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाज के परिवारजन उपस्थित थे।

आजीविका डबरियों से महिलाओं की आय बढ़ाने की पहल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका डबरियों (वर्षा जल संरक्षण हेतु बनाई गई छोटी संरचनाओं या तालाबों) और अमृत सरोवरों में मछली पालन से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध हो रही हैं। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब खेतों और तालाबों के साथ आजीविका डबरियां, जलाशय और अमृत सरोवर भी किसानों तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। खेती और पशुपालन के साथ मत्स्य पालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय के स्रोत बढ़ा रहे हैं। समूह की महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए अब इन्हें तालाब का पट्टा देकर उसमें मत्स्य पालन कराया जा रहा है। योजना में मत्स्य विभाग भी कार्य कर रहा है।

मछुआ समितियों के सदस्य सामूहिक रूप से मछली पालन कर रहे हैं, तो कहीं किसान आजीविका डबरियों में मछली उत्पादन के साथ सब्जी की खेती और सिंचाई का लाभ उठा रहे हैं। वहीं, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित आजीविका डबरियां जल संरक्षण के साथ अतिरिक्त आय का माध्यम भी बन रही हैं। किसान इनमें वर्षा जल का संचय कर मछली पालन कर रहे हैं और जरूरत के अनुसार पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन तथा फसलों की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं।

90 आजीविका डबरियाँ बनाई जा रही है

धमतरी जिले के भूखापारा, माडमशिल्ली, बिन्द्रापाली, डबरीनाला, चनागांव और छिन्दौरी जैसे अनेकों गांव में डबरियाँ बनाकर महिलाओं को मत्स्य पालन और मत्स्य उत्पादन गतिविधियों से बड़े पैमाने पर जोड़ा जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और गांवों में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से धमतरी जिले में आजीविका डबरियों को आय संवर्धन का माध्यम बनाया जा रहा है। वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत आजीविका डबरियों को जलनिधि के रूप में विकसित कर उनमें झींगा एवं मछली पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के सहयोग से 55 डबरियाँ बनाकर महिलाओं को मत्स्य उत्पादन गतिविधियों से जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को अपने गांव में ही अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। इसी कड़ी में 90 आजीविका डबरियाँ और बनाई जा रही है ।

मछली पालन आत्मनिर्भर और समृद्धि का आधार

इस गतिविधि के अंतर्गत प्रत्येक आजीविका डबरी में 1,600 झींगा तथा 320 भारतीय प्रमुख कार्प (इंडियन मेजर कार्प - आईएमसी) मछलियों के बीज डाले गए हैं। झींगा एवं मछली पालन को एक साथ बढ़ावा देने से उपलब्ध जल संसाधनों का उपयोग उत्पादन और आजीविका संवर्धन के लिए किया जा सकेगा। इस पहल के माध्यम से आगामी छह माह में प्रति डबरी औसतन 50 हजार रुपये लाभ प्राप्त होने का अनुमान है। यह अनुमानित लाभ है, जिसका वास्तविक परिणाम उत्पादन, जल की गुणवत्ता, पालन प्रबंधन, बाजार मूल्य और बिक्री पर निर्भर करेगा। मछलियों की वृद्धि 800 ग्राम से 1 किलोग्राम तक दर्ज की गई है।



सरगुजा ओलंपिक में 4.16 लाख खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन, महिलाओं की संख्या ज्यादा

6 जिलों में ब्लॉक स्तर के मुकाबले पूरे, 15 से 20 नवंबर तक संभाग स्तरीय स्पर्धा; 12 खेलों में दिखेगा दमखम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सरगुजा संभाग में दूसरी बार आयोजित हो रहे सरगुजा ओलंपिक को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। संभाग के छह जिलों से कुल 4 लाख 16 हजार 813 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में पुरुषों के मुकाबले महिला खिलाड़ियों की संख्या 69 हजार 45 अधिक है। सभी जिलों में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं पूरी हो चुकी हैं। अब विजेता खिलाड़ी जिला स्तर पर मुकाबला करेंगे। इसके बाद 15 से 20 नवंबर के बीच प्रस्तावित संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिलों के विजेता अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उप मुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की पहल पर पिछले वर्ष सरगुजा ओलंपिक की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी खेल प्रतिभा को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है।

पंजीयन में सूरजपुर सबसे आगे

सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 अगस्त से 10 सितंबर तक पंजीयन कराया गया। इसमें 2 लाख 42 हजार 929 महिलाओं और 1 लाख 73 हजार 884 पुरुषों ने हिस्सा लेने के लिए नाम दर्ज कराया। जिलावार आंकड़ों में सूरजपुर 99,322 खिलाड़ियों के साथ पहले स्थान पर है। बलरामपुर-रामानुजगंज से 91,995, सरगुजा से 90,116, जशपुर से 74,809, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से 33,676 और कोरिया से 26,895 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

नवंबर में होंगे संभाग स्तरीय मुकाबले

संभाग के सभी छह जिलों में 1 से 10 अक्टूबर के बीच विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं हुईं। अब जिला स्तरीय मुकाबलों का आयोजन किया जा रहा है। जशपुर में 29 और 30 अक्टूबर को स्पर्धाएं होंगी। सरगुजा, कोरिया और बलरामपुर-रामानुजगंज में 3 से 5 नवंबर तथा सूरजपुर में 4 और 5 नवंबर को मुकाबले निर्धारित हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जिला स्तरीय स्पर्धाएं पूरी हो चुकी हैं। हॉकी और कुश्ती के मुकाबले सीधे जिला स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं।



12 खेलों में महिला-पुरुष दिखाएंगे दमखम

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और रस्साकशी शामिल हैं। जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष तक के बालक-बालिकाएं हिस्सा ले रहे हैं, जबकि सीनियर वर्ग में आयु की कोई सीमा नहीं है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने नागरिकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों से जिला और संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

बैगा बच्चों की मौत पर बैज ने सरकार को घेरा

धान का 3358 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान हो



रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कवर्धा जिले के रेंगाखार वनांचल क्षेत्र में कुपोषण और एनीमिया से बैगा जनजाति के पांच बच्चों की मौत को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मृत बच्चों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने और प्रभावित बच्चों के उपचार के लिए गांव में ही पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) खोलने की मांग की। बैज ने पत्रकार वार्ता में बताया कि नंदनी कुमान गांव और आसपास के क्षेत्रों में कुपोषण, एनीमिया, डायरिया और मलेरिया की समस्या गंभीर है। 13 बच्चे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं, जबकि कई अन्य बच्चे गांव में ही बीमार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल, नियमित टीकाकरण और बीमारियों की रोकथाम के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और सरकार के मंत्रियों के गांव नहीं पहुंचने पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

धान खरीदी पर सरकार को घेरा

बैज ने धान खरीदी की नीति पर सवाल उठाते हुए किसानों को 3358 रुपये प्रति क्विंटल की दर से एकमुश्त भुगतान देने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का वादा किया था, लेकिन अब आदान सहायता की गणना प्रति एकड़ के आधार पर करने का निर्णय किसानों को भ्रमित करने वाला है। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य बढ़ने के साथ राज्य सरकार की आदान सहायता राशि घटती गई है। कांग्रेस ने सभी पंजीकृत किसानों से पूरे रकबे की खरीदी, जबरन रकबा समर्पण पर रोक, फर्जी गिरदावरी के आधार पर खरीदी सीमा घटाने की प्रक्रिया बंद करने और पंचायत स्तर पर नकद भुगतान केंद्र खोलने की मांग की। बैज ने दीपावली से पहले किसानों को अग्रिम भुगतान तथा बकाया राशि देने की भी मांग की।

दिल्ली रैली में शामिल होंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

बैज ने बताया कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित होगी। इसमें छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों, एसआईआर निरस्त करने और काटे गए वोट बहाल करने की मांग को लेकर पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने किया प्रार्थना शेड निर्माण का भूमिपूजन

रायपुर.आज रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन कमांक 2 अंतर्गत वीरांगना अवंति बाई लोधी वार्ड कमांक 6 क्षेत्र अंतर्गत जागृति नगर त्रिमूर्ति नगर शासकीय स्कूल में प्रार्थना शेड का निर्माण कार्य शीघ्र करवाने रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से 10 लाख रू. में स्कूल परिसर में भूमिपूजन श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर नगर निगम वित्त विभाग के अध्यक्ष श्री महेन्द्र खोड़ियार, वार्ड 6 पार्षद श्री खगपति सोनी, एल्डरमेन श्री गोपाल सोना, जोन 2 कार्यपालन अभियंता श्री पीडी घृतलहरे सहित स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं, गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, आमजनों की बडी संख्या में उपस्थिति के मध्य करते हुए शानदार सौगात दी। रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने जोन 2 कार्यपालन अभियंता श्री पीडी घृतलहरे को स्वीकृति अनुसार तत्काल स्कूल परिसर में प्रार्थना शेड निर्माण स्थापना का कार्य प्रारंभ करवाकर गुणवत्ता युक्त तरीके से सतत मॉनिटरिंग कर तय समय सीमा में पूर्ण करवाकर लोकार्पण की तैयारी करवाने के निर्देश दिये।

कारोबार के नाम पर 300 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष झारखंड से गिरफ्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



गुजरात, पश्चिम बंगाल और झारखंड में कारोबार के नाम पर 300 से करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने भिलाई जिला भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल को झारखंड से गिरफ्तार किया है। कोर्ट में पेशी के बाद उसे 10 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। करीब 13 महीने से फरार चल रहा आरोपी झारखंड के एक थाने में सरेंडर करने पहुंचा था, तभी कोलकाता पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर उसे थाने के बाहर से ही दबोच लिया। संदीप और उसके परिजनों पर व्यापार की आड़ में साथियों के साथ मिलकर 300 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि के गबन का गंभीर आरोप है। वह लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। तीनों राज्यों की पुलिस अहमदाबाद, गांधीधाम, भुवनेश्वर, रायपुर, भिलाई और कोलकाता समेत कई संभावित ठिकानों पर उसकी लगातार तलाश कर रही थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि संदीप भिलाई में खुद को भाजपा नेता बताकर प्रभाव जमाता था और कार्रवाई से बचने के लिए राजनीतिक रसूख का सहारा लेता था। वह गुजरात के डीसीबी थाने से जुड़े एक मामले में पहले से जमानत पर था, जहां पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। झारखंड पुलिस ने भी अदालत के आदेश पर उसके आवास पर नोटिस चस्पा किया था। इस संगठित ठगी में संदीप का पूरा परिवार शामिल रहा है। उसके दोनों बड़े भाई संजय और सचिन अग्रवाल भी मामलों में नामजद अभियुक्त हैं। दोनों के खिलाफ पूर्व में लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी हुआ था। दोनों गांधीधाम और धनबाद की जेलों में करीब 13 महीने बंद रहने के बाद हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर बाहर आए हैं। संजय अग्रवाल की पत्नी राखी भी सह अभियुक्त हैं, जो धनबाद जेल में दो महीने रहने के बाद जमानत पर छुटी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com